www.tamsasanket.com
वर्षः 30|| अंक 30 ||अम्बेडकरनगर
मंगलवार
21 अप्रैल 2026 ||पृष्ठ: 08 ||मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:37
सूर्यास्त: 06:33
अधिकतम: 41°00
न्यूनतम: 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | कृत्रिम बुद्धिमत्ता : सुविधा ... >>पेज 04 | यूपी में लू की चेतावनी... >>पेज 06 | मम्मा कहने पर भड़कीं श्रुति...

सड़कों और छतों पर खड़े होकर लोगों ने किया बुलडोजर बाबा का दीदार

'ममता दीदी 15 साल बहुत खेल लिया अब विकास का समय है'

योगी का बंगाल में क्रेज, देखने को उमड़ी भीड़

कांग्रेस, कम्युनिस्टों ने बंगाल को किया कंगाल

यूपी में माफिया की हड्डी-पसली तोड़ता है बुलडोजर

रैली

पश्चिम बंगाल में जमकर गरजे सीएम योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/पश्चिम मेदिनीपुर। पश्चिम बंगाल चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जबर्दस्त क्रेज दिख रहा है। एक ओर चिलचिलाती धूप में योगी आदित्यनाथ भाजपा प्रत्याशियों के लिए खूब पसीना बहा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर उन्हें देखने-सुनने और एक झलक पाने को हजारों की भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को गारबेटा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार प्रदीप लोढ़ा के पक्ष में हुई चुनावी रैली में भी यही नजारा दिखा, जब दीवारों, वाहनों और घरों की छतों पर खड़े होकर लोगों ने योगी आदित्यनाथ का भाषण सुना और योगी-योगी की गूंज से उनका बंगाल की धरा पर स्वागत किया।

"योगी आदित्यनाथ ने भी नौजवानों, किसानों, महिलाओं से आह्वान किया कि जिस बंगाल को कांग्रेस, कम्युनिस्टों और तृणमूल कांग्रेस ने कंगाल किया है, उसे इन पार्टियों की अराजकता से मुक्त कराइए।

तृणमूल की अराजकता से मुक्त अब डबल इंजन सरकार लाने जा रहा पश्चिम बंगाल

सीएम ने बंगाल के राष्ट्रनायकों की धरा बताया, कहा कि जब तुष्टिकरण की पराकाष्ठा और टीएमसी सरकार की गुंडागर्दी चरम पर हो तो नेताजी सुभाष चंद्र बोस याद आते हैं। यहां के नौजवानों के सामने पहचान का संकट आया है। कभी लीडर की भूमिका में रहा बंगाल लूजर की भूमिका में हो गया है। भारत की आर्थिक उन्नति का आधार रहा बंगाल तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस व कम्युनिस्टों के लूटतंत्र का शिकार होकर कंगाल हो गया है। तृणमूल की अराजकता से मुक्त होकर बंगाल भी अब डबल इंजन सरकार का स्वाद चखने जा रहा है।

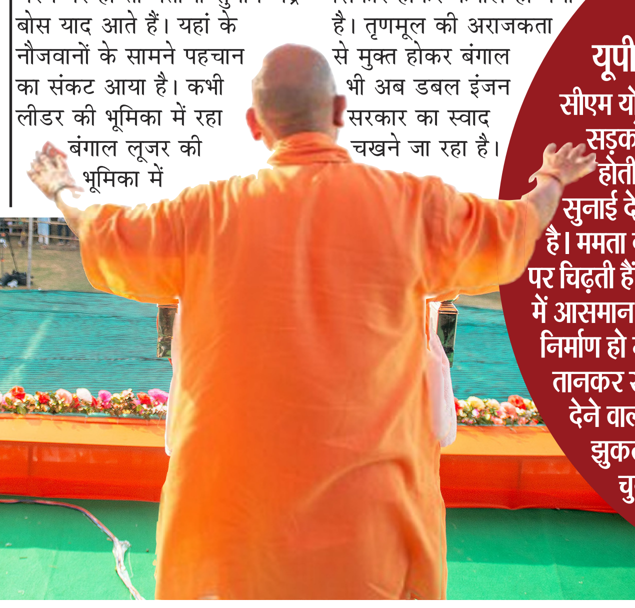

बंगाल में राम का नाम लेने से चिढ़ती हैं ममता दीदी और यूपी में बन गया भव्य राम मंदिर

सीएम योगी ने कहा कि अब यूपी में सड़कों पर इफ्तारी और नमाज नहीं होती है। मस्जिद से अजान भी नहीं सुनाई देती। यूपी में हर तरफ खुशहाली है। ममता दीदी बंगाल में राम का नाम लेने पर चिढ़ती हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश के अयोध्या में आसमान को छूता भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया। हर भारतीय को सीना तानकर खड़े होने और मर्यादा की प्रेरणा देने वाला राम मंदिर बताता है कि आस्था झुकती, रुकती, टूटती नहीं है। बस चुनौती का सामना करने की इच्छाशक्ति हो। वहां विधर्मियों के हौसले पस्त हुए।

यूपी में माफिया की हड्डी-पसली को चकनाचूर कर देता है बुलडोजर

सीएम ने कहा कि यूपी में गोहत्या, लवजेहाद, लैंडजेहाद नहीं हो सकता। माफिया व गुंडों ने हिमाकत की तो बुलडोजर उसकी हड्डी-पसली को चकनाचूर कर देता है। टीएमसी का मतलब टेरर, माफियाराज व करप्शन है। इसे केवल भाजपा सरकार ही समाप्त कर सकती है। न गोहत्या होने देंगे और न ही हिंदू की बेटी को बंटने देंगे। उन्नति के लिए, बंगाल को भी डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में कार्य करना है।

यूपी में हैं ऐसी सड़कें कि हाथ पर रखे कप से पानी भी नहीं छलकेगा

सीएम योगी ने आरोप लगाया कि जयश्रीराम बोलने पर ममता दीदी को परेशानी होती है। सड़कों पर इफ्तार पार्टी कराने वाली ममता दीदी ने राम नाम, दुर्गा पूजा, मूर्ति विसर्जन, शोभायात्रा पर बैन लगा दिया है। 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में भी अराजकता, गुंडागर्दी, सड़कों पर नमाज और इफ्तार पार्टी होती थी, लेकिन यूपी में 9 साल से डबल इंजन सरकार चल रही है, तबसे नो कर्फ्यू, नो दंगा है, यूपी में सब चंगा है। >> (शेष पेज 06 पर)

अंबेडकरनगर डीएम का तबादला, अनुपम शुक्ला बने गाजीपुर के डीएम

यूपी में फिर चली तबादला एक्सप्रेस

फेरबदल

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। प्रशासनिक फेरबदल के तहत अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला को स्थानांतरित कर गाजीपुर का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। वहीं, पर्यटन विभाग में तैनात रहीं ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। नए जिलाधिकारी के आने के बाद जिले में प्रशासनिक गतिविधियों में बदलाव देखने को मिलेगा। >> (शेष पेज 06 पर)

कार्यकाल रहा लगभग एक वर्ष

अनुपम शुक्ला ने 21 अप्रैल 2025 को अंबेडकरनगर के जिलाधिकारी का पदभार संभाला था। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने जिले में विकास योजनाओं की समीक्षा, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों पर फोकस किया। >> (शेष 06 पर)

- पर्यटन विभाग की ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर की नई जिलाधिकारी की जिम्मेदारी

ईशा प्रिया को अंबेडकरनगर की जिम्मेदारी

पर्यटन विभाग में कार्यरत रही ईशा प्रिया को अब अंबेडकरनगर जिले की नई जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। अंबेडकरनगर जिले में विकास योजनाओं के क्रियान्वयन, कानून व्यवस्था और सरकारी योजनाओं की निगरानी जैसे प्रमुख कार्य उनके कार्यक्षेत्र में रहेंगे।

कोटा में सड़कों को ठंडा करने के लिए पानी छिड़का

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ। देश के कई हिस्सों में गर्मी का असर जारी है। राजस्थान, यूपी, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, विदर्भ में लगातार चौथे दिन लू का कहर देखने मिल रहा है।

राजस्थान के कोटा में दिन का तापमान 42C रहा। सड़कों को ठंडा करने के लिए नगर निगम ने टैंकरों से पानी का छिड़काव करवाया।

महाराष्ट्र के अकोला और वर्धा में तापमान सबसे ज्यादा 45C रिकॉर्ड किया गया। ये दोनों शहर रविवार को देश के सबसे गर्म शहर रहे।

बिहार के बक्सर में सोमवार को गर्मी के कारण 10 स्टूडेंट स्कूल में बेहोश हो गए। बक्सर में आज पारा 42C पर पहुंच गया है।

इधर, जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में बारिश, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी हुई।

राजस्थान में एचपीसीएल रिफाइनरी में लगी आग

काबू पाया गया, प्रधानमंत्री उद्घाटन करने वाले थे

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

बाड़मेर/बालोतरा, राजस्थान । राजस्थान में बाड़मेर के नजदीक बालोतरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की रिफाइनरी में सोमवार दोपहर 2 बजे भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक आग रिफाइनरी में कच्चे तेल को साफ करने वाली दो यूनिट में लगी। यूनिट से धुआं उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू किया। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने करीब 2 से 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान यूनिट से लपटें उठती रहीं। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को उद्घाटन करने वाले थे। >> (शेष पेज 06 पर)

- कच्चा तेल फिल्टर करने वाली दो यूनिटों में लगी आग
- पचपदरा रिफाइनरी में गुजरात से आना है कच्चा तेल

फास्ट न्यूज

सुभाषचंद्र बोस को 'राष्ट्रपुत्र' घोषित करने की मांग खारिज

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को 'राष्ट्रपुत्र' घोषित करने और आजाद हिंद फौज (INA) को भारत की आजादी का श्रेय देने की मांग वाली PIL खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को "न सुधरने वाला" बताया और सख्त टिप्पणी की।

हादसा | रेस्क्यू

जम्मू के उधमपुर में सड़क हादसा, 21 की मौत

उधमपुर। जम्मू के उधमपुर में सोमवार सुबह एक बस हादसे का शिकार हो गई। रामनगर से आ रही बस कगोत के पास सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गिरकर पलट गई। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक इस हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 से ज्यादा यात्री घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। बस में 50 यात्री सवार थे, जिनमें से ज्यादातर लोग रामनगर से उधमपुर में अपने रोजाना के काम पर जा रहे थे। 15 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बाकी 6 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हैदराबाद-हुबली फ्लाइट 2 घंटे हवा में चक्कर काटती रही

बेंगलुरु । हैदराबाद से हुबली जा रही Fly-91 एयरलाइन की एक फ्लाइट रविवार को खराब मौसम के चलते 2 घंटे हवा में ही चक्कर काटती रही। खराब मौसम की वजह से प्लेन में सवार पैसेंजर्स को तेज झटके महसूस हुए, जिससे वे घबरा गए। सोशल मीडिया में वायरल VIDEO में पैसेंजर रोते हुए और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते दिख रहे हैं।

राहुल की दोहरी नागरिकता केस से हाईकोर्ट जज हटे

सीबीआई जांच- एफआईआर का आदेश दिया, फिर पलटा था

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता केस से इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज सुभाष विद्यार्थी ने खुद को अलग कर लिया है। सोमवार को जज ने यह फैसला याचिकाकर्ता की पोस्ट से नाराज होकर लिया है। याचिकाकर्ता ने पोस्ट किया था कि यदि आपने किसी से पैसा लिया है तो उसे वापस कर दें, अन्यथा आपको जेल जाना होगा। हालांकि उसने अपने पोस्ट में जज का जिक्र नहीं किया था। दरअसल 17 अप्रैल को जज ने राहुल गांधी के खिलाफ FIR दर्ज करने और मामले की जांच CBI से कराने का आदेश दिया था। अगले ही दिन अपना फैसला बदलते हुए उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी को नोटिस जारी किए बिना फैसला करना उचित नहीं है। >> (शेष पेज 06 पर)

सुभाष विद्यार्थी, हाईकोर्ट जज | राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

जज ने पूछा- पीठ पीछे कीचड़ उछालना कैसे उचित

सोमवार को लखनऊ बेंच में मामले की सुनवाई जैसे ही शुरू हुई, जज सुभाष विद्यार्थी ने याचिकाकर्ता विग्नेश शिशिर की उन सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया, जिसमें धमकी दी गई थी। जज ने याचिकाकर्ता से पूछा, पीठ पीछे कीचड़ उछालना कैसे उचित है? अदालत के खिलाफ बोलना सही है? जज ने कहा, आवेदक ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए कोर्ट का इस्तेमाल किया।

केजरीवाल को कोर्ट से झटका

जस्टिस शर्मा ही करेंगी सुनवाई, आवेदन खारिज, कहा- निर्णय दबाव में नहीं लिए जाते

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। आबकारी नीति मामले में आज हाईकोर्ट अरविंद केजरीवाल की रिक्यूजल याचिका पर अपना फैसला सुनाया। केजरीवाल दिल्ली हाईकोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए। इस दौरान केजरीवाल ने अपना जवाबी हलफनामा रिकॉर्ड पर लेने की मांग की। सुनवाई को दौरान केजरीवाल ने कहा, मैडम अगर मेरा जवाब रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया तो यह न्याय के प्रति लापरवाही होगी। अदालत में अखिल भारतीय देवता परिषद के कार्यक्रमों में न्यायमूर्ति के शामिल होने पर कहा कि वह महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुई थीं, जिसमें उन्होंने जूनियर वकीलों और अन्य बार के सदस्यों को संबोधित किया था। केवल अरविंद केजरीवाल की आइडियोलॉजी से सहमति न रखने के चलते यह आरोप गलत है। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा मेरा न्यायिक करियर 34 वर्षों का रहा है। >> (शेष पेज 06 पर)

केजरीवाल ने 13 अप्रैल को सुनवाई के दौरान कोर्ट में अपनी दलील खुद रखी थी।

अदालत ने की सख्त टिप्पणी

अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा यदि किसी न्यायाधीश का फैसला ऊपरी अदालत द्वारा बदला जाता है तो किसी भी प्रतिवादी को यह कहने का हक नहीं है कि आमुख जज फैसला करने योग्य नहीं हैं। जज की क्षमताओं पर फैसला इसकी उच्च अदालत करती है ना की प्रतिवादी।

कैच-22 रणनीति पर अदालत सख्त

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि आवेदक ने अपने लिए 'विन-विन' या 'कैच-22 की स्थिति बना ली है। यदि अदालत खुद को अलग करती है तो उसके दावे सही ठहरेंगे, और यदि नहीं करती है तो वह फिर भी फैसले पर सवाल उठा सकता है। अदालत ने कहा कि ऐसी रणनीतियों की अनुमति नहीं दी जा सकती, क्योंकि इससे न्यायिक प्रक्रिया और संस्था की विश्वसनीयता पर असर पड़ने का खतरा है। >> (शेष पेज 06 पर)

योजना : अखिलेश यादव का फोकस स्टार्टअप, एआई और समग्र स्वास्थ्य पर

'विजन इंडिया समिट' के जरिए नए भारत की रूपरेखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की परिकल्पना पर आधारित "विजन इंडिया समिट" देश के विभिन्न शहरों में आयोजित की गई। यह श्रृंखला 16 नवंबर 2025 को बेंगलुरु से शुरू होकर 13 दिसंबर 2025 को हैदराबाद, 17 जनवरी 2026 को भुवनेश्वर, 15 मार्च 2026 को मुंबई और 11 अप्रैल 2026 को जयपुर में संपन्न हुई।

इन आयोजनों में बुद्धिजीवियों, मीडिया विशेषज्ञों, युवाओं और उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और भविष्य के भारत को लेकर अपने विचार साझा किए।

"विजन इंडिया" अभियान को PDA यानी Plan (योजना), Develop (विकास) और Ascent (प्रगति) के सिद्धांत पर आधारित बताया गया।

अखिलेश यादव ने इसे एक ऐसा मंच बताया, जहां विभिन्न क्षेत्रों के लोग मिलकर देश के लिए रचनात्मक और परिवर्तनकारी विचार प्रस्तुत कर सकें। हैदराबाद में आयोजित समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और तकनीक के उपयोग पर विशेष चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं और AI का उपयोग इन पर नियंत्रण के लिए जरूरी है। साथ ही उन्होंने डिजिटल डिवाइड को खत्म करने और तकनीक को गांव-गांव तक पहुंचाने पर जोर दिया। >> (शेष पेज 06 पर)

- "विजन इंडिया समिट" का उद्देश्य देश में प्रगतिशील, व्यावहारिक और समावेशी विकास की दिशा तय करना है।
- यह पहल युवाओं, तकनीक और सामाजिक संतुलन के जरिए एक नए भारत की रूपरेखा तैयार करने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है।

बेंगलुरु समिट: स्टार्टअप्स और युवाओं पर जोर

श्रृंखला की शुरुआत बेंगलुरु से हुई, जहां मुख्य फोकस स्टार्टअप्स और युवाओं पर रहा।

अखिलेश यादव ने कहा कि भारत में मौजूद चुनौतियां ही नवाचार के लिए अवसर हैं।

उनका कहना था, "हर समाधान एक स्टार्टअप है। देश की बड़ी आबादी और समस्याएं नवाचार के लिए उपयुक्त वातावरण देती हैं।" उन्होंने स्टार्टअप्स को सिर्फ मुनाफे का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का जरिया बताया।

'मोदी झूठों के सरदार उनके खाने दिखाने के दांत अलग'

वह चुनाव जीतने के लिए झूठ बोलते हैं : खड़गे

प्रचार

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/चेन्नई । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बंगाल के कूचबिहार में कहा कि नरेंद्र मोदी 'झूठों के सरदार' हैं। वह चुनाव जीतने के लिए झूठ बोलते हैं। खड़गे ने कहा- अगर सरकार महिला आरक्षण लागू करना चाहती तो वह ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाए और सबसे पूछे कि इसे कैसे लागू करें? लेकिन मोदी सरकार ने पार्लियामेंट का सेशन बुलाया ताकि दिखा सके कि उसे महिला आरक्षण की परवाह है। सच तो यह है कि मोदी के खाने और दिखाने के अलग-अलग दांत हैं। असम के

- ममता बोलीं- मोदी ने प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल किया

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बंगाल के ही मेदिनीपुर में कहा- आज बंगाल में कोई हुमायूं कबीर बोलता है कि यहां बाबरी मस्जिद बनाऊंगा। अरे तुम्हारा बाप की जगह है क्या। >> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में 64 आईएएस का ट्रांसफर, 10 डीएम बदले

तबादला

मंत्री से टशन, किंजल सिंह को हटाया, मनीष बंसल आगरा डीएम, ये मुख्य चुनाव आयुक्त के दामाद

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। योगी सरकार ने रविवार देर रात 64 IAS अफसरों के तबादले कर दिए। इनमें 12 महिला अफसर हैं। 10 जिलों के जिलाधिकारी (DM) बदले गए हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से अनबन के बाद परिवहन आयुक्त किंजल सिंह को हटाकर माध्यमिक शिक्षा विभाग का सचिव बनाया गया है। किंजल सिंह की 7 महीने पहले ही परिवहन विभाग में नियुक्ति हुई थी। हाल ही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे 2010 बैच के IAS आशुतोष निरंजन को नया परिवहन आयुक्त बनाया है। वहीं, यूपी पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार को हटा दिया गया है। उन्हें फिलहाल यूपी में नई पोस्टिंग नहीं दी गई है। वे केंद्रीय

प्रतिनियुक्ति पर जा रहे हैं। स्मार्ट मीटर विवाद की वजह से इन पर सवाल उठ रहे थे।औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार से एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग का प्रभार वापस ले लिया है। सरकार ने लंबे मंथन के बाद आईएएस की तबादला सूची जारी की। 8 डीएम को एक जिले से हटाकर दूसरे जिले का जिलाधिकारी बनाया है। सहारनपुर के डीएम मनीष बंसल को आगरा का डीएम बनाया है। IAS मनीष बंसल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के दामाद हैं। बंसल की पत्नी मेधा रूपम नोएडा की जिलाधिकारी हैं। 7 डीएम को अन्य विभाग में तैनाती दी गई है। लखीमपुर खीरी की DM दुर्गाशक्ति नागपाल को पदोन्नति के बाद देवीपाटन मंडल का मंडलायुक्त बनाया है। आगरा के DM अरविंद मल्लपा बांगरी को CM योगी का विशेष सचिव बनाया गया है।

इन 7 अफसरों को पहली बार मिली जिले की कमान

- 2014 बैच के आईएएस और सीएम योगी के विशेष सचिव ब्रजेश कुमार का ट्रांसफर औरैया के डीएम पद पर किया है।
- 2015 बैच के आईएएस एवं झांसी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष आलोक यादव का ट्रांसफर शामली जिलाधिकारी के पद पर किया है।
- 2016 बैच के आईएएस अभिषेक गोयल का ट्रांसफर खाद्य सुरक्षा औषधि प्रशासन विभाग के विशेष सचिव से हमीरपुर के डीएम पद पर किया है।
- 2016 बैच के आईएएस इंद्रजीत सिंह का ट्रांसफर ऊर्जा विभाग के विशेष सचिव से डीएम सुल्तानपुर के पद पर किया है।
- 2016 बैच की आईएएस अन्नपूर्णा गर्ग का ट्रांसफर नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग के विशेष सचिव से श्रावस्ती डीएम के पद पर किया है।
- 2016 बैच के नितिन गौड़ का ट्रांसफर हापुड़-पिलखवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद से अमरोहा के डीएम पद पर किया है।
- 2016 बैच की आईएएस सरनजीत कौर ब्रोका का ट्रांसफर महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक पद से रायबरेली डीएम के पद पर किया है।
- 2014, 2015 और 2016 बैच के आईएएस अधिकारियों को पहली बार डीएम के पद पर पोस्टिंग देनी थी। इसके चलते कुछ जिलों के डीएम हटाए गए हैं।
- 2014, 2015 और 2016 बैच के आईएएस अधिकारियों को पहली बार डीएम के पद पर पोस्टिंग देनी थी। इसके चलते कुछ जिलों के डीएम हटाए गए हैं।

पांच जिलों के सीडीओ बदले

देवरिया की संयुक्त मजिस्ट्रेट श्रुति शर्मा को हापुड़, सुल्तानपुर की संयुक्त मजिस्ट्रेट गामिनी सिंगला को सुल्तानपुर, आजमगढ़ के संयुक्त मजिस्ट्रेट सुनील कुमार धनवता को बहराइच, चित्रकूट की संयुक्त मजिस्ट्रेट पूजा साहू को अमेठी और गाजीपुर के संयुक्त मजिस्ट्रेट रामेश्वर सुधाकर सबन्नवाड को झांसी का मुख्य विकास अधिकारी बनाया है।

इन 8 डीएम को फिर मिली जिले की कमान

उन्नाव के जिलाधिकारी गौरांग राठी को झांसी का डीएम बनाया है। सुल्तानपुर के डीएम कुमार हर्ष को बुलंदशहर का डीएम बनाया है। शामली के डीएम अरविंद कुमार चौहान को सहारनपुर का डीएम बनाया है। अमरोहा की डीएम निधि गुप्ता वत्स को फतेहपुर का डीएम बनाया है।

हमीरपुर के जिलाधिकारी घनश्याम मीना को उन्नाव का डीएम बनाया है। मैनपुरी के जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह को लखीमपुर खीरी का डीएम बनाया है। औरैया के डीएम इंद्रमणि त्रिपाठी को मैनपुरी का डीएम बनाया गया है। सहारनपुर के डीएम मनीष बंसल को आगरा का डीएम बनाया है।

पिता के निधन के 6 दिन बाद मृदुल चौधरी का ट्रांसफर

झांसी के डीएम मृदुल चौधरी का ट्रांसफर उनके पिता धनीराम की मृत्यु के छह दिन बाद ही हो गया है। झांसी मेडिकल कॉलेज में उनके पिता का गत सप्ताह निधन हो गया था। पिता की तेरहवीं से पहले उनका ट्रांसफर हो गया है। उन्हें पर्यटन विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है।

योगी सरकार में पहला मौका है, जब किंजल सिंह को ऐसी पोस्टिंग मिली है। वे कानपुर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष, पंचायती राज विभाग की निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग की महानिदेशक और परिवहन आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों पर ही रही हैं। हालही में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे 2010 बैच के आईएएस आशुतोष निरंजन को परिवहन आयुक्त बनाया गया है।

फास्ट न्यूज़

स्टाफ की कमी, नहीं चालू हो पा रही नई मॉर्चरी

लखनऊ । लखनऊ में पोस्टमॉर्टम के लिए परिजनों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। कभी-कभी पूरा दिन भी बीत जाता है। इससे लोगों को राहत देने के लिए KGMU में नई मॉर्चरी बनवाई गई थी। उसे करीब 2 साल पहले 2024 में हैंडओवर भी किया जा चुका है, लेकिन अभी मॉर्चरी चालू नहीं हुई। दरअसल, नई मॉर्चरी को एक्टिव करने के लिए कम-से-कम 15 मैन पावर की जरूरत है।

महिला आरक्षण बिल पर विशेष सदन बुलाया

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में महिला आरक्षण का प्रस्ताव गिरने पर निंदा प्रस्ताव आएगा। इसके लिए 23 अप्रैल को सदन का आयोजन होगा। मेयर सुषमा खर्कवाल की तरफ से नगर आयुक्त गौरव कुमार को भेजे गए पत्र में विशेष सदन बुलाया गया है। हालांकि पत्र में एजेंडे से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसको लेकर कांग्रेस और सपा पार्षदों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। मेयर सुषमा खर्कवाल ने महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास नहीं होने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा- मुद्दा देश की आधी आबादी के अधिकार और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा है।

काकोरी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के घर में चोरी

दुबग्गा । लखनऊ के काकोरी स्थित मौंदा गांव में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के सूने घर में लाखों रुपए की चोरी हो गई। परिवार मैहर दर्शन के लिए गया था। घरवाले रविवार रात घर लौटे तो घटना का पता चला। चोरों ने घर के ताले तोड़कर वारदात को अंजाम दिया।

गांव के पीड़ित इंजीनियर राजपाल यादव ने पुलिस को शिकायत दी।

केशव प्रसाद मौर्य ने फरियादियो से सीधे संवाद करते हुये सुनीं समस्याएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय 7-कालिदास मार्ग पर आयोजित 'जनता दर्शन' में जन-सेवा और प्रशासनिक संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि उप मुख्यमंत्री ने औपचारिकताओं को परे रखते हुए स्वयं एक-एक फरियादी के पास जाकर, उनसे सीधे रूबरू होकर उनकी समस्याओं को अत्यंत आत्मीयता के साथ सुना। प्रदेश के विभिन्न सुदूर जनपदों से आए सैकड़ों फरियादियों ने अपनी पीड़ा साझा की, जिस पर श्री मौर्य ने न केवल उन्हें ढांढस बंधाया, बल्कि समस्याओं के समाधान हेतु मौके पर ही प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की। जनता दर्शन के दौरान बांदा जनपद से आए रामदत्त और ओम प्रकाश ने भूमि से दबंगों द्वारा किए गए अनाधिकार कब्जे को हटवाने की गुहार लगाई। वाराणसी से आए विजय शर्मा ने गंभीर बीमारी के उपचार हेतु चिकित्सा सहायता अनुदान और राजेंद्र कुमार ने जटिल भूमि विवाद के त्वरित निस्तारण का आग्रह किया। बदायूं जिले से आए फरियादियों की संख्या भी पर्याप्त रही, जिसमें राम विलास ने वैध विद्युत कनेक्शन होने के बावजूद दर्ज हुए मुकदमे की जांच कराने, चंद्रपाल ने बिजली संबंधी अन्य प्रकरणों और राम अवतार शाक्य ने अपनी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने का पत्र दिया, साथ ही, बलरामपुर के राम अक्षयबर ने असाध्य रोग के इलाज के लिए आर्थिक मदद, फर्रुखाबाद की प्रेमवती शाक्य व सीतापुर के दीपू ने आवास दिलाने और महोबा के दयाशंकर ने अपनी पट्टे की जमीन को दबंगों के चंगुल से छुड़ाने की व्यथा सुनाई।

एबीवीपी ने भी सपोर्ट किया, छात्र बोले-वीसी जनरल डायर, पोस्टर लगाए

एलयू में फीस बढ़ोतरी के खिलाफ सपा और एनएसयूआई का हंगामा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में बवाल हो गया है। फ्रीजर, वाटर कूलर, एसी खराब होने का आरोप लगाते हुए छात्र वीसी ऑफिस पहुंच गए। वे जबरदस्ती चैनल खोलते हुए अंदर घुस गए। पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों से उनकी नोकझोंक हुई। दोपहर 12 बजे के आसपास ABVP से जुड़े छात्रों ने प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने वीसी को जनरल डायर भी कहा। इसके बाद करीब 2 बजे सपा छात्र सभा से जुड़े छात्रों ने भी प्रदर्शन कर दिया। वे भी पानी, एसी, फीस बढोत्तरी की समस्या को लेकर वीसी से मिलने

पहुंचे थे, जहां उन्हें मिलने नहीं दिया गया।

इसके बाद करीबन 3 बजे NSUI के छात्रों ने भी प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। NSUI अध्यक्ष सुधांशु राणा ने विश्वविद्यालय परिसर में दीवारों पर पोस्टर भी लगाए। अर्पण कुशवाहा ने कहा कि प्रवेश परीक्षा, शुल्क और परिणाम इन बिंदुओं पर हमारा संगठन छात्रों की आवाज उठाता है। परीक्षा शुल्क बढ़ा दिया गया है इसलिए हम लोग आंदोलन करने पर मजबूर हैं।

गैलरी में ताला लगाने पर भड़के एबीवीपी के छात्र

लखनऊ विश्वविद्यालय में ABVP के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान छात्रों ने कुलपति के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में पीने का पानी खराब है और उसका टीडीएस 500 तक पहुंच गया है, जो बिल्कुल भी पीने योग्य नहीं है। इसके अलावा छात्रों ने फीस बढ़ोतरी को लेकर भी नाराजगी जाहिर करते हुए हंगामा किया।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद छात्रों ने विरोध प्रदर्शन जारी रखा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारियों ने भी मौके पर पहुंचकर छात्रों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन छात्र अपनी मांगों पर अड़े रहे।

NSUI के छात्रों ने प्रदर्शन करते हुए, विश्वविद्यालय के दूसरे गेट का घेराव किया और यहां बैठकर नारेबाजी की।

'छात्रों के साथ जनरल डायर जैसा रवैया'

प्रदर्शन कर रहे उत्कर्ष सिंह ने कहा कि नए कुलपति जब से आए हैं, विश्वविद्यालय को प्राइवेट मोड में ले आए हैं। ऐसा लगता है कि जनरल डायर की यूनिवर्सिटी है। जो मन में आ रहा है वह कर रहे हैं। सुविधा कैसे दी जाएं इस पर कोई ध्यान नहीं है। बच्चों से कैसे पैसा लिया जाए बस इसी पर पूरा फोकस है।

यहां पढ़ने वाले छात्र बहुत पैसे वाले घर से नहीं आते हैं, आर्थिक रूप से कमजोर घरों से आते हैं। अगर बहुत अमीर होते तो किसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी में जाते। मगर विश्वविद्यालय प्रशासन को इन सब चीजों से कोई मतलब नहीं है। 50% तक फीस में वृद्धि हो रही है जिसका हम लोग विरोध कर रहे हैं, और जब तक यह वापस नहीं हो जाएगा विरोध जारी रहेगा।

यूपीआईटीएस 2026 को बनाया जाएगा सशक्त सोर्सिंग प्लेटफॉर्म, विभागों को दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

यूपीआईटीएस 2026 की तैयारियों का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को लोक भवन सचिवालय के सी-ब्लॉक स्थित सभा कक्ष में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 के चतुर्थ संस्करण की तैयारियों की अद्यतन प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इन्वेस्ट यूपी, कृषि विपणन, विदेश व्यापार तथा यूपीएलसी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में ट्रेड शो की तिथियां 25 से 29 सितम्बर 2026 निर्धारित किए जाने का निर्णय लिया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय खरीदारों एवं

विक्रेताओं को पूर्व नियोजन में सुविधा मिल सके और आयोजन की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सके। यह भी तय किया गया कि इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्ष के पैमाने पर ही किया जाएगा, लेकिन विभागों को निर्देश दिए गए कि वे पारंपरिक प्रदर्शनी के बजाय अपनी उपलब्धियों को अधिक प्रभावी एवं आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करें। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि इस वर्ष ट्रेड शो का प्रमुख फोकस "जनता तक उपलब्धियों का प्रभावी संप्रेषण" होगा। प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे मीडिया, केंद्रीय प्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों का ध्यान आकर्षित हो सके। बैठक में स्टॉल आवंटन एवं शुल्क संरचना पर भी निर्णय लिया गया। स्टॉल दरें 7,500 से 8,000 रूपये के बीच निर्धारित की गई हैं। दो तरफ खुले स्टॉल पर 10 प्रतिशत तथा तीन या चार तरफ खुले स्टॉल पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देय होगा। साथ ही, इस बार निजी क्षेत्र एवं छोटे कॉरपोरेट्स को भी पर्याप्त अवसर और दृश्यता प्रदान करने के निर्देश दिए गए, ताकि वे भी इस मंच का लाभ उठा सकें।

युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "सीएम युवा" पवेलियन की सफलता को आगे बढ़ाते हुए डेयरी, उद्योग, मत्स्य एवं खाद्य प्रसंस्करण विभागों को नवाचार आधारित व्यावसायिक विचार प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे विशेष रूप से एनसीआर एवं गौतम बुद्ध नगर क्षेत्र के युवाओं को नए उद्यम स्थापित करने की प्रेरणा मिल सके। बैठक में एक्सपो मार्ट में विभागों को आवंटित हॉल एवं क्षेत्रफल की जानकारी भी साझा की गई तथा सभी विभागों को अपने-अपने सार्वजनिक उपक्रमों एवं निजी उत्पादकों को अधिकाधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए, ताकि यह आयोजन उत्तर प्रदेश का एक सशक्त सोर्सिंग प्लेटफॉर्म बन सके।

केकेसी में यूजी की 4000 सीटों पर होगा एडमिशन

31 मई तक ऑनलाइन करें एप्लाई, एलयू में 100 है फीस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और KKC में सत्र 2026-27 के लिए यूजी (अंडर ग्रेजुएट) कोर्स में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। LU में समर्थ पोर्टल के माध्यम से 17 अप्रैल से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की शुरुआत हो चुकी है। आवेदन की आखिरी तारीख 31 मई है। विश्वविद्यालय और उससे एफिलिएटेड (मान्यता प्राप्त) महाविद्यालयों में एडमिशन लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए पहले LURN रजिस्ट्रेशन कराना जरुरी होगा। वहीं, KKC में भी एडमिशन के लिए आवेदन करने के लिए LURN के बाद कॉलेज की ऑफिसियल वेबसाइट से आवेदन प्रक्रिया की जा सकेगी। आवेदन करने की आखिरी तारीख 31 मई है।

LU की साइट पर लर्न रजिस्ट्रेशन के बाद अभ्यर्थियों को अपनी पसंद

के UG कोर्स के अनुसार अलग से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसमें प्रोग्राम का चयन, एजुकेशनल डिटेल भरना, जरूरी दस्तावेज अपलोड करना और आवेदन शुल्क जमा करना शामिल है।

इसके अलावा लखनऊ के सबसे बड़े एडेड कॉलेज, श्री जय नारायण पीजी डिग्री कॉलेज (KKC) में भी 4 हजार से ज्यादा सीट पर एडमिशन की प्रक्रिया 10 अप्रैल से शुरू हो चुकी हैं। यहां भी सिर्फ ऑनलाइन माध्यम से स्टूडेंट्स एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए कॉलेज की ऑफिशियल वेबसाइट पर लॉगिन करना होगा।

रौशन : नासा के वर्ल्ड नाइट मैप में उत्तर प्रदेश की दमक, ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्ध

वैश्विक मंच पर चमका यूपी

- हर घर रोशनी की सरकार की नीति को मिली अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता
- ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के नेतृत्व में विद्युत व्यवस्था बनी देश में मिसाल
- उत्पादन, ट्रांसमिशन और तकनीक के संगम से बदली प्रदेश की ऊर्जा तस्वीर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। NASA द्वारा जारी वर्ल्ड नाइट मैप में उत्तर प्रदेश का दुनिया के सबसे अधिक रोशन क्षेत्रों में प्रमुखता से उभरना प्रदेश की विद्युत व्यवस्था के लिए एक अत्यंत

गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह केवल रोशनी का आंकलन नहीं, बल्कि प्रदेश में बिजली की पहुंच, विश्वसनीयता और व्यापकता का अंतर्राष्ट्रीय प्रमाण है। यह दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा उपलब्धता के मामले में एक नए युग में प्रवेश कर चुका है।

इस वैश्विक मान्यता के पीछे प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के नेतृत्व में किए गए व्यापक सुधारों की अहम भूमिका रही है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों में विद्युत उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि की गई है, जिससे बढ़ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया जा रहा है। साथ ही, दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से बिजली की उपलब्धता को भी मजबूत किया

प्रदेश में नई उपकेंद्रों की स्थापना

ट्रांसमिशन और वितरण प्रणाली में अभूतपूर्व सुधार करते हुए प्रदेश में नई उपकेंद्रों की स्थापना, जर्जर लाइनों का आधुनिकीकरण और अत्याधुनिक तकनीकों का समावेश किया गया है। इससे न केवल बिजली आपूर्ति अधिक स्थिर और निर्बाध हुई है, बल्कि लाइन लॉस में भी उल्लेखनीय कमी आई है, जो सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही है।

गया है। घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की तीसरी इकाई का सफल सिंक्रनाइजेशन इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व और ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा के मार्गदर्शन में अनेक सुधारों को तेजी से लागू किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और उपभोक्ता सुविधा में क्रांतिकारी सुधार हुआ है। उपभोक्ताओं को अब अपनी बिजली खपत की रियल-टाइम जानकारी मिल रही है, वहीं विद्युत चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है।प्रदेश में आज "सबको बिजली, पर्याप्त बिजली और गुणवत्तापूर्ण बिजली" का संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होने से कृषि, उद्योग और सेवा क्षेत्र को नई गति मिली है।

आग से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचे भावी क्षेत्र पंचायत सदस्य शिवम चौधरी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । विकास नगर कॉलोनी में हाल ही में लगी आग से प्रभावित परिवारों के बीच भावी क्षेत्र पंचायत सदस्य गौरा महमदपुर प्रथम शिवम चौधरी पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

"हम आपके बेटे-भाई हैं, हर वक्त साथ खड़े हैं"

शिवम चौधरी ने पीड़ित परिवारों से बातचीत करते हुए कहा कि इस मुश्किल घड़ी में वे अकेले नहीं हैं।

उन्होंने भावुक अंदाज में कहा, "अगर कोई भी मदद हमारे लायक होगी तो बिना झिझक हमें कॉल करें, हम आपके बेटे और भाई की तरह हर समय आपके साथ खड़े हैं।"

इस अवसर पर उनके साथ सलिल वर्मा, अनुराग वर्मा सहित अन्य सहयोगी और मित्र भी मौजूद रहे, जिन्होंने राहत कार्य में सक्रिय योगदान दिया और पीड़ितों की हर संभव मदद की। शिवम चौधरी की इस पहल को क्षेत्र में सराहा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे समय में जनप्रतिनिधियों का आगे आकर मदद करना समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश देता है।

विकास नगर कॉलोनी में आग की इस घटना के बाद शिवम चौधरी का पीड़ितों के बीच पहुंचना और मदद का हाथ बढ़ाना न सिर्फ मानवीय संवेदना का उदाहरण है, बल्कि समाज में सहयोग और एकजुटता की मिसाल भी पेश करता है।

राहत-सहायता का दिया भरोसा

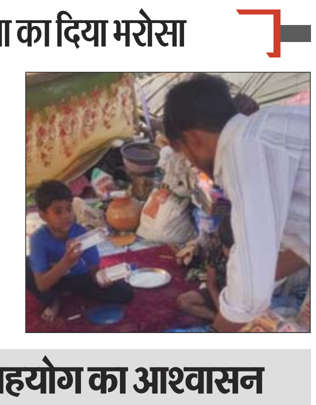

राहत सामग्री और सहयोग का आश्वासन

इस दौरान शिवम चौधरी ने प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई और आगे भी हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर प्रशासन से समन्वय कर अतिरिक्त मदद भी दिलाई जाएगी।

जहांगीरगंज क्षेत्र में 11 अप्रैल को हुई थी लूट की वारदात, 6 आरोपी गिरफ्तार

लूटकांड का खुलासा : पीड़ित का भाई ही निकला मास्टरमाइंड

साजिश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । जहांगीरगंज इलाके में व्यापारियों से हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में चौंकाने वाली बात सामने आई है कि पीड़ित मोहम्मद जलाल का सगा भाई शाहिद ही पूरी साजिश का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने इस मामले में शाहिद समेत कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 5.45 लाख रुपये नकद, एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और घटना में इस्तेमाल की गई दो कारें बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के तीन अन्य सदस्य अभी फरार हैं। उनकी तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है और लगातार दबिश दी जा रही है।

घटना 11 अप्रैल की है। व्यापारी रईस अहमद और मोहम्मद जलाल बिहार से बकाया रकम वसूल कर लौट रहे थे। इसी दौरान स्विफ्ट कार सवार बदमाशों ने रास्ते में उन्हें रोक लिया।

बदमाशों ने कट्टे के बट से हमला कर रुपयों से भरा बैग लूट लिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

इस पूरे मामले को सुलझाने में तकनीकी साक्ष्यों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने कॉल डिटेल, लोकेशन ट्रैकिंग और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की और साजिश का पर्दाफाश

जांच में सामने आई अंदरूनी साजिश

पुलिस जांच में धीरे-धीरे मामला साफ होता गया। सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंच बनाई।पूछताछ में पता चला कि शाहिद ने करीब एक सप्ताह पहले ही लूट की योजना बना ली थी। उसने अपने साथियों को पहले से तैयार कर रखा था।जैसे ही व्यापारी बिहार के लिए निकले, उसने बदमाशों को सक्रिय कर दिया। वारदात के बाद शाहिद खुद भी घटनास्थल पर पहुंच गया, जिससे पुलिस का शक और गहरा गया।

तिलकटांडा पुल के पास हुई गिरफ्तारी

20 अप्रैल को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। इसके आधार पर तिलकटांडा पुल के पास घेराबंदी कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में शाहिद, अरमान, आयुष, अभिनंदन, अभिषेक और मनीष वर्मा शामिल हैं।

लूट के लिए तय की गई थी पूरी रणनीति

पुलिस के अनुसार, शाहिद ने बदमाशों को साफ निर्देश दिए थे कि वारदात के दौरान किसी को गंभीर नुकसान न पहुंचाया जाए। केवल रुपये लूटकर निकलना था।इस साजिश में आधा दर्जन से अधिक लोग शामिल थे।बसखारी बाजार निवासी आयुष की कार का इस्तेमाल किया गया।लूटी गई रकम का बंटवारा मनीष वर्मा के घर पर हुआ।घटना के बाद फरार होने में अभिषेक ने मदद की।

अंबेडकरनगर में 600 मीट्रिक टन चावल अटका

विपणन विभाग की सख्ती, चार निरीक्षकों को नोटिस

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । धान खरीद के बाद चावल प्रेषण में लापरवाही सामने आई है। जिले के 10 राइस मिलर करीब 600 मीट्रिक टन चावल अब तक दबाए बैठे हैं। विपणन विभाग ने ऐसे मिलरों को चिन्हित कर कार्रवाई की तैयारी तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार, धान खरीद प्रक्रिया समय से पहले जनवरी में ही समाप्त हो गई थी। इसके बाद करीब ढाई महीने बीतने के बावजूद चावल का भंडारण पूरा नहीं हो सका।खाद्य विपणन विभाग के छह केंद्रों से 600 मीट्रिक टन चावल अभी तक गोदाम तक नहीं पहुंच पाया है।

विभाग ने राइस मिलरों को कई बार नोटिस जारी किए और वार्ता भी की। इसके बावजूद 20 अप्रैल तक चावल भारतीय खाद्य निगम को उपलब्ध नहीं कराया गया।इस लापरवाही को गंभीर मानते हुए अब

सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

मामले में जिम्मेदारी तय करते हुए चार विपणन निरीक्षकों को नोटिस जारी किया गया है। इनमें अनिवाश सोनकर, प्रवीण सिंह, संतोष यादव और रमेश यादव शामिल हैं।इनसे जवाब मांगा गया है और 30 अप्रैल तक हर हाल में चावल गोदाम तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। खाद्य विभाग के अलावा सहकारिता विभाग से संचालित क्रय केंद्रों का चावल भी बकाया बताया जा रहा है। कई एजेंसियों पर निर्धारित मात्रा समय पर जमा न करने का आरोप है।अधिकारियों के अनुसार, जिन केंद्र प्रभारियों पर सीएमआर बकाया है, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी गोरखनाथ त्रिपाठी ने स्पष्ट किया है कि 30 अप्रैल तक बकाया चावल हर हाल में जमा कराना होगा।निर्धारित समय सीमा के बाद भी प्रेषण न होने पर संबंधित मिलरों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चावल प्रेषण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही निगरानी बढ़ाकर लंबित मामलों का जल्द निस्तारण किया जाए। इस कार्रवाई को धान खरीद व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फास्ट न्यूज

बाराबंकी में माया नर्सिंग होम में महिला की मौत

बाराबंकी । बाराबंकी जनपद के जहांगीराबाद क्षेत्र स्थित माया नर्सिंग होम में एक 45 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही और रुपयों के लिए संवेदनहीनता बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना ने निजी नर्सिंग होम की कार्यप्रणाली और उनके संचालकों की योग्यता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जलालपुर के महिला पीजी कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स की भूमिका पर वाद-विवाद

अंबेडकरनगर । जलालपुर स्थित मुलायम सिंह यादव महिला पीजी कॉलेज में सोमवार को एनसीसी कैडेट्स के बीच वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "जिम्मेदार और प्रगतिशील भारत निर्माण में एनसीसी कैडेट्स की भूमिका" रहा। प्रतियोगिता में कैडेट्स ने पक्ष और विपक्ष दोनों में अपने विचार रखे। कई प्रतिभागियों ने कहा कि एनसीसी देश निर्माण का मजबूत आधार है और युवाओं को अनुशासन व जिम्मेदारी सिखाता है।

मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना शुरू

अंबेडकरनगर । परम्परागत माटी कला से जुड़े युवक-युवतियों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री माटी कला रोजगार योजना का शुभारंभ किया गया है। यह योजना जिला ग्रामोद्योग विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश माटी कला बोर्ड के तहत संचालित की जा रही है। इसके अंतर्गत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में माटी कला उद्योग से संबंधित व्यवसाय की जानकारी रखने वाले लाभार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सघन वाहन चेकिंग अभियान 19 अप्रैल को 542 चालान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क हादसों में कमी लाने के लिए सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 1 अप्रैल 2026 से लगातार जारी है। 19 अप्रैल को चलाए गए अभियान में 542 वाहनों का चालान किया गया। वहीं 1 अप्रैल से अब तक कुल 3094 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। रविवार को 8 वाहनों से 9 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला गया। पूरे अभियान के दौरान अब तक 50 वाहनों से 44,100 रुपये शमन शुल्क जमा कराया गया है।

चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर सख्ती दिखाई गई। अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों की भी जांच की गई। 1 अप्रैल से अब तक 1160 चालकों की जांच हुई।इनमें से 10 चालकों का चालान कर 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। पुलिस का कहना है

- **अप्रैल से अब तक 3094 वाहनों पर कार्रवाई, 26 वाहन सीज**
- **ब्लैक फिल्म, हूटर और प्रेशर हॉर्न पर कार्रवाई**
- **नशे में वाहन चलाने वालों पर सख्त कदम**
- **यातायात नियमों के पालन पर जोर**

कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके।

सौर ऊर्जा वाटर पंप योजना शुरू

गर्मी में पेयजल संकट से राहत की तैयारी

- **अकबरपुर नगर पालिका छह स्थानों पर लगाएगी वाटर पंप, 42 लाख का बजट**

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अकबरपुर नगर क्षेत्र में गर्मी के दौरान पेयजल समस्या को देखते हुए सौर ऊर्जा वाटर पंप लगाने की योजना शुरू कर दी गई है। नगर पालिका द्वारा इसके लिए 42 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

नगर पालिका ने शहर के छह प्रमुख स्थानों पर सौर ऊर्जा से संचालित वाटर पंप लगाने का निर्णय लिया है। हालांकि सभी स्थानों के लिए भूमि का चिन्हांकन अभी जारी है।सोमवार को विक्रमादित्य सिंह तिराहे पर पहले वाटर पंप के निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। अधिकारियों के अनुसार, एक सप्ताह के भीतर यहां से पेयजल आपूर्ति शुरू हो सकती है।

अकबरपुर के शहजादपुर बाजार

क्षेत्र में बड़ी संख्या में दुकानें और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स हैं। यहां रोजाना ग्रामीण क्षेत्रों से लोग खरीदारी के लिए आते हैं।गर्मी में पेयजल की कमी के कारण लोगों को परेशानी होती है। वाटर पंप लगने के बाद बाजार आने वाले लोगों को आसानी से ठंडा पानी मिल सकेगा।

पूरी व्यवस्था सौर ऊर्जा से संचालित होगी। इससे बिजली पर निर्भरता कम होगी और संचालन खर्च भी घटेगा।वाटर पंप की देखरेख के लिए कर्मचारियों की तैनाती भी की जाएगी। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत ने बताया कि योजना का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है।उन्होंने कहा कि सभी स्वीकृत स्थानों पर जल्द काम पूरा किया जाएगा, ताकि गर्मी के मौसम में लोगों को पानी के लिए भटकना न पड़े।

एक हजार लीटर टैंक और चार नल की व्यवस्था

प्रत्येक वाटर पंप पर एक हजार लीटर क्षमता की पानी की टंकी लगाई जाएगी। पानी भरने के लिए करीब 150 फीट गहराई तक बोरिंग की जाएगी।पानी निकालने के लिए एक हार्स पावर का मोटर लगाया जाएगा। साथ ही पानी ठंडा रखने के लिए कूलिंग सिस्टम भी लगाया जाएगा।हर वाटर पंप पर चार नल लगाए जाएंगे, जिससे एक साथ कई लोग पानी ले सकेंगे।

पुलिस में सख्ती, ट्रांसफर पर '1 घंटे में रवानगी' का आदेश

ढिलाई पर कार्रवाई तय, तत्काल कार्यमुक्ति के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । पुलिस विभाग ने अनुशासन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने स्थानांतरित पुलिसकर्मियों के लिए सख्त आदेश जारी किया है।

जारी निर्देश के अनुसार, जनपद से बाहर ट्रांसफर किए गए सभी पुलिसकर्मियों को एक घंटे के भीतर कार्यमुक्त होकर नई तैनाती के लिए रवाना होना होगा। आदेश में यह भी साफ किया गया है कि इसमें किसी तरह की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। निर्देश केवल नए स्थानांतरण तक सीमित नहीं है। पहले से लंबित मामलों में भी तत्काल कार्यमुक्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे उन मामलों पर भी असर पड़ेगा, जहां कर्मचारी अब तक रिलीव नहीं हुए थे।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई

गई तो संबंधित प्रभारी के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इससे जिम्मेदारी तय करने का संकेत दिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, यह फैसला विभाग में बढ़ती ढिलाई और लंबित ट्रांसफर मामलों को देखते हुए लिया गया है। इसका उद्देश्य प्रक्रिया को तेज करना और अनुशासन बनाए रखना है।आदेश के अंत में निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। इससे साफ है कि अब स्थानांतरण से जुड़े मामलों में देरी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर तीन महीने से नहीं पहुंचा पोषण आहार

पुष्टाहार आपूर्ति ठप, लाखों लाभार्थी प्रभावित

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । महिला एवं बाल विकास विभाग की पुष्टाहार योजना की स्थिति गंभीर हो गई है। जिले के 2551 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत करीब 2 लाख से अधिक लाभार्थियों को पिछले तीन महीनों से पोषण आहार नहीं मिल पा रहा है। इनमें छह साल तक के बच्चे, 14 हजार गर्भवती महिलाएं और बड़ी संख्या में धात्री माताएं शामिल हैं। पोषण सामग्री के उत्पादन और वितरण की जिम्मेदारी स्थानीय स्वयं सहायता समूहों को दी गई थी। लेकिन कई यूनिट तकनीकी खामियों और प्रबंधन की कमी के कारण समय पर आपूर्ति नहीं कर

सकीं। जहांगीरगंज और रामनगर ब्लॉक के सैकड़ों केंद्रों पर महीनों तक खाद्यान्न नहीं पहुंचा, जिससे हजारों बच्चे और महिलाएं प्रभावित हुईं। व्यवस्था सुधारने के लिए पोषण ट्रैकर ऐप, चेहरा पहचान और OTP आधारित सिस्टम लागू किया गया। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर आपूर्ति की समस्या बनी हुई है।अधिकारियों का कहना है कि स्थिति सुधार के प्रयास जारी हैं, लेकिन फिलहाल आंगनबाड़ी केंद्रों पर नियमित वितरण बहाल नहीं हो सका है।

टेंडर और आपूर्ति में देरी बनी वजह

जानकारी के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया लंबित रहने और स्वयं सहायता समूहों (SHG) की लापरवाही के कारण दलिया, दाल, तेल और प्रीमिक्स जैसे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति बाधित है। पहले भी कई बार वितरण में देरी की स्थिति सामने आ चुकी है।जुलाई 2024 में भी कई ब्लॉकों के 1472 केंद्रों पर लगातार तीन महीने तक पुष्टाहार नहीं पहुंचा था। इनमें अकबरपुर, जलालपुर, कटेहरी, भीटी और जहांगीरगंज क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहे।

> **दिसंबर 2024 तक स्थिति और बिगड़ गई। कुछ समय के लिए आपूर्ति की जिम्मेदारी नेफेड को दी गई, लेकिन टेंडर पूरा न होने से व्यवस्था पटरी पर नहीं आ सकी।रिपोर्ट के मुताबिक, दो लाख से अधिक लाभार्थी हर महीने निर्धारित आहार से वंचित रहे।**

निजी स्कूलों पर मनमानी के आरोप फीस किताबों को लेकर बढ़ी शिकायतें

अभिभावकों का आरोप-निर्धारित दुकानों से महंगी खरीदारी का दबाव

- **फीस में बढ़ोतरी, एडमिशन पर भारी शुल्क**
- **किताबों और कॉपियों पर सबसे ज्यादा विवाद**
- **नियामक समिति की भूमिका पर सवाल**
- **अभिभावक कर रहे कार्रवाई की मांग**

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । निजी स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और किताबों की बिक्री को लेकर अभिभावकों की शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं। जलालपुर, अकबरपुर, टांडा, बसखारी, आलापुर, कटेहरी और जहांगीरगंज समेत कई क्षेत्रों में अभिभावक इसे गंभीर मुद्दा बता रहे हैं।

अभिभावकों का कहना है कि कई स्कूलों में एडमिशन फीस 10 से 20

हजार रुपये तक ली जा रही है। इसके अलावा वार्षिक शुल्क, यूनिफॉर्म और अन्य मदों में भी लगातार इजाफा किया जा रहा है।उनका आरोप है कि फीस बढ़ाने के लिए स्पष्ट आधार नहीं बताया जाता। सबसे ज्यादा शिकायतें किताबों और कॉपियों को लेकर सामने आई हैं। कई स्कूल अभिभावकों को तय दुकानों से ही खरीदारी करने के लिए कहते हैं।इन दुकानों पर किताबें बाजार मूल्य से दो से तीन गुना तक महंगी बताई जा रही हैं। कुछ मामलों में सामान्य किताबों पर स्कूल का कवर लगाकर ज्यादा कीमत वसूली जा रही है।अभिभावकों का कहना है कि बाहर से सस्ती किताब खरीदने पर एडमिशन रद्द करने की चेतावनी दी जाती है।

जिले में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के तहत जिला शुल्क नियामक समिति गठित है। इसकी अध्यक्षता जिलाधिकारी करते हैं और जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य सचिव होते हैं। इसके बावजूद अभिभावकों का कहना है कि समिति की सक्रियता जमीनी स्तर पर नजर नहीं आ रही है। बढ़ती शिकायतों के बीच अभिभावक अब सामूहिक रूप से आवाज उठाने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी मांग है कि फीस बढ़ोतरी पर स्पष्ट नियम लागू हों और किताबों की खरीद में स्वतंत्र विकल्प मिले। इस मामले में प्रशासन और शिक्षा विभाग से ठोस कदम उठाने की अपेक्षा जताई जा रही है।

आपूर्ति बाधित, एडवांस भुगतान के बाद भी नहीं मिल रहा तेल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति बाधित होने से हालात गंभीर हो गए हैं। जिले के अधिकतर पेट्रोल पंप पूरी तरह ड्राई हो चुके हैं, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति को लेकर पेट्रोल पंप संचालकों ने रविवार को आपात बैठक की। बैठक में अंबेडकरनगर पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने भाग लिया।संचालकों का कहना है कि तेल कंपनियों को एडवांस भुगतान करने के बावजूद समय पर आपूर्ति नहीं हो रही है। इससे जिले में ईंधन संकट गहराता जा रहा है।

ईंधन की कमी का असर सबसे ज्यादा किसानों और ट्रांसपोर्ट कारोबार पर पड़ रहा है। खेतों में काम और माल ढुलाई दोनों प्रभावित हो रहे हैं।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। कई जगह लोगों को बिना तेल लिए ही वापस लौटना पड़ रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष शेषकुमार वर्मा ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए प्रतिनिधिमंडल जल्द ही जिलाधिकारी से मुलाकात करेगा। बैठक में तय किया गया कि आपूर्ति बहाल कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर हस्तक्षेप जरूरी है। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने कहा कि यदि जल्द आपूर्ति शुरू नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

हजारों उपभोक्ताओं को राहत : लो वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या होगी कम

नए 33/11 केवी उपकेंद्र का लोकार्पण

- **कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने इसे क्षेत्र की बिजली व्यवस्था के लिए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे उपभोक्ताओं को बेहतर और स्थिर आपूर्ति मिलेगी।**

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर । विद्युत वितरण खंड अकबरपुर के अंतर्गत धमरूआ क्षेत्र में नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण किया गया। उपकेंद्र के शुरू होने से जाफरगंज और आसपास के क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रविवार को आयोजित कार्यक्रम में उपकेंद्र का उद्घाटन हरिओम पांडेय, रितेश पांडेय और श्यामसुंदर वर्मा ने किया। अब तक इन इलाकों में लो वोल्टेज और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या बनी रहती थी। नए उपकेंद्र के चालू होने से इन समस्याओं में कमी आने की उम्मीद है। बिजली विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इससे आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर होगी और कटौती की स्थिति भी नियंत्रित होगी।

कार्यक्रम में बिजली विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इनमें अधीक्षण अभियंता रजनीश श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता प्रेमचंद, अवर अभियंता अंकित राज और सतीश कुमार शामिल रहे।अधिकारियों ने बताया कि यह उपकेंद्र क्षेत्र की बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। नए उपकेंद्र को क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके शुरू होने से ग्रामीण इलाकों में भी बेहतर बिजली मिलने की संभावना है।

धमरूआ विद्युत उपकेंद्र शुरू

3500 उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

नए उपकेंद्र से धमरूआ, सलाहपुर, गोवावा जमालपुर, बीबीपुर भूसौली, मालीपुर, खालिसपुर, मैरवा, सिकंदरपुर, बरौली आसानंदपुर, हमाजपुर, रामपुर दुबे, नेमपुर, महेशपुर, तेंदुआ, इटौरी, बीबीपुर, थट्टा और दिघी समेत कई गांवों के करीब 3500 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। अब इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सीधे उपकेंद्र से होगी, जिससे लाइन पर दबाव कम होगा।

शादी से 6 दिन पहले दूल्हे की मौत टैंकर में घुसी पिकअप

जेसीबी से गाड़ी तोड़कर निकाली लाश

तमसा संकेत, एजेंसी

भीटी (अम्बेडकरनगर)। यूपी के अम्बेडकरनगर में शादी से 6 दिन पहले ही दूल्हे की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक सुबह अपने गांव से पिकअप पर सब्जी लादकर थोक मंडी के लिए ले रहा था। तभी आगे चल रहे टैंकर में जा घुसा। हादसा इतना भयावह था कि 7 फिट का पिकअप 4 फिट का रह गया।

चालक कुचलकर केबिन के अंदर ही फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी की मदद से पिकअप की बॉडी तोड़कर शव बाहर निकाला। युवक की 26 अप्रैल को शादी होने वाली थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थीं, पर अब मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना जिला मुख्यालय से 7 किलोमीटर दूर अकबरपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर-महरुआ रोड पर कसेरुआ गांव के पास की है।

मनोज यादव

अकबरपुर थाना क्षेत्र के औरंग नगर के पहितीपुर गांव निवासी मनोज यादव (26) पुत्र नरसिंह यादव की 5 दिन बाद शादी थी। मनोज खुद की पिकअप चलाता था। रोजमर्रा की तरह सोमवार तड़के गांव से सब्जियां लेकर शहजादपुर थोक मंडी के लिए निकला था।

सुबह करीब 4.30 बजे कसेरुआ गांव के पास पिकअप (UP 45 AT 2610) से जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिकअप की रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक आगे चल रहे टैंकर ने ब्रेक लगा दी।

सम्पादकीय

परिसीमन का जटिल प्रश्न

संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पारित न होने के बाद पक्ष-विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। यह लगभग तय है कि यह दौर हाल-फिलहाल थमने वाला नहीं है। कहना कठिन है कि आम जनता और विशेष रूप से महिलाओं को किसका नैरेटिव सही जान पड़ेगा, क्योंकि दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने और महिला आरक्षण को लागू करने के तौर-तरीकों पर तकरार करने से किसी को और विशेष रूप से लोकसभा एवं विधानसभाओं में अपने लिए 33 प्रतिशत सीटों की प्रतीक्षा कर रही महिलाओं को तो कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। अब जबकि प्रधानमंत्री ने गत दिवस राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि महिला आरक्षण को लागू कराने के अपने इरादे से वे डिगे नहीं हैं एवं उनके हौसले बुलंद हैं और विपक्ष भी यह कह रहा है कि उसका विरोध महिला आरक्षण से नहीं, बल्कि सभी राज्यों में लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने के फार्मूले और परिसीमन से है, तब फिर उचित यह होगा कि इस जटिल प्रश्न का समाधान निकालने के लिए दोनों पक्ष सहमति कायम करने की दिशा में आगे बढ़ें। परिसीमन के प्रश्न को और अधिक समय तक नहीं टाला जा सकता। संवैधानिक आवश्यकता यह कहती है कि प्रत्येक जनगणना के बाद परिसीमन होना चाहिए। यह दुर्भाग्य की बात रही कि 1971 की जनगणना के बाद 1976 में परिसीमन की प्रक्रिया इस कारण फ्रीज कर दी गई, क्योंकि दक्षिण भारत के राज्यों का तर्क था कि वे अपनी आबादी कम करने में सफल रहे हैं और परिसीमन से उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। विडंबना यह रही कि 1976 में 25 वर्ष के लिए फ्रीज किए गए परिसीमन को 2001 में 25 और वर्षों के लिए फ्रीज कर दिया गया, लेकिन अब जबकि यह अवधि पूरी हो गई है, तब मौजूदा जनगणना के बाद परिसीमन तो कराना ही होगा, अन्यथा संविधान की इस मूल भावना का निरादर होगा कि लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति के वोट का मूल्य बराबर होना चाहिए। विपक्षी दलों ने भले ही परिसीमन पर आपत्ति जताकर महिला आरक्षण की राह रोक दी हो, लेकिन यदि अगली जनगणना के बाद जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होता है तो उससे दक्षिण के राज्यों को तो राजनीतिक रूप से अधिक नुकसान ही होगा। ऐसे में उचित यही होगा कि सभी राज्यों में लोकसभा की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाकर परिसीमन किया जाए ताकि लोकसभा के सभी सदस्यों को लगभग समान संख्या में लोगों के प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके। यदि दक्षिण के राज्यों के जनसंख्या आधारित परिसीमन के विरोध को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाएगा तो इससे उत्तर भारत के राज्यों के हितों की कहीं अधिक अनदेखी होगी और यह भी उचित नहीं होगा।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता : सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

> वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है।

इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तर-दायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा।

सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मान-पूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक के विकास के साथ-साथ अपने नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ करें। विज्ञान और मानवीय संवेदना के बीच संतुलन ही वह मार्ग है, जो हमें सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है।

ललित गर्ग

विकास की ओर माओवाद मुक्त क्षेत्र

भारतीय इतिहास में 31 मार्च, 2026 का दिन सशस्त्र माओवाद के खात्मे के रूप में दर्ज हो चुका है। इस दिन देश ने माओवादी आतंक के विरुद्ध निर्णायक सफलता हासिल की। यह लोकतंत्र, सुशासन और विकास के उस व्यापक सोच की विजय है, जिसने वर्षों से हिंसा से जूझ रहे बस्तर को एक नई दशा और दिशा दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक स्पष्ट नीति और दृढ़ नेतृत्व को श्रेय जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने माओवाद के प्रति "शून्य सहनशीलता" और "विकास आधारित समाधान" की नीति अपनाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न केवल रणनीतिक स्तर पर इस अभियान का मार्गदर्शन किया, बल्कि कई बार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जाकर जवानों और स्थानीय लोगों का मनोबल भी बढ़ाया। इस पूरे अभियान में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और बस्तर की जनता के सहयोग ने इस लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाई। सरकार की रणनीति का महत्वपूर्ण पहलू संवाद और पुनर्वास रहा है। यह संदेश दिया गया कि जो लोग हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में आना चाहते हैं, उनके लिए सरकार के द्वार खुले हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव यह रहा कि बड़ी संख्या में माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर सामान्य जीवन अपनाया। ऐसे लोग जो केवल हिंसा की भाषा समझते थे, उनके विरुद्ध सुरक्षा बलों ने सख्त कार्रवाई भी की। सुधाकर, बसवराजू जैसे शीर्ष माओवादी नेतृत्व को न्यूट्रलाइज करने से माओवादी आतंक की कमर टूट गई। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री जी द्वारा कार्ययोजना बनाकर माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया। सड़क, बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी सुविधाएं उन क्षेत्रों तक पहुंचीं, जहां कभी शासन की उपस्थिति नहीं थी। पिछले ढाई साल में डबल इंजन की सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को माओवाद प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विष्णु देव साय

प्राचीन भारतीय प्रशासनिक...

प्रदीप कुमार वर्मा

सिविल सेवा : देश की प्रशासनिक व्यवस्था की 'रीढ़'

भारतीय संवैधानिक प्रावधानों में तीसरी स्तंभ कहे जाने वाले कार्यपालिका के तहत सिविल सर्विस वह सेवा है, जो देश की सरकार के सार्वजनिक प्रशासन के लिए जिम्मेदार है। भारत में सिविल सेवा में भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा ,भारतीय विदेश सेवा और अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सेवा समूह शामिल हैं।

हमारे देश में भारतीय सिविल सेवक न केवल नीतियों के क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार होते हैं, बल्कि वे नीतियों को आकार देने, निर्णय लेने और स्थानीय स्तर पर समस्याओं के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी जिम्मेदारियों में प्रशासनिक संचालन,विकास योजनाओं का क्रियान्वयन,कानून व्यवस्था बनाए रखने,प्राकृतिक आपदाओं से निपटने तथा नागरिक सेवाओं की डिलीवरी सुनिश्चित करना शामिल है। देश की विभिन्न सार्वजनिक सेवा विभागों में लगे सिविल सेवा के इन्ही अधिकारियों के काम को ₹स्वीकार₹ करने के लिए हर साल 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है। यह दिन सिविल सेवकों के लिए देश की प्रशासनिक मशीनरी को सामूहिक रूप से और नागरिकों की सेवा के प्रति ₹समर्पण₹ के साथ चलाने की भी याद दिलाता है।

सिविल सेवा शब्द सबसे पहले ब्रिटिश काल में आया था, जब ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के नागरिक कर्मचारी प्रशासनिक नौकरियों में शामिल थे। तब उन्हें ₹लोक सेवक₹ के रूप में जाना जाता था। इस व्यवस्था की नींव ब्रिटश अधिकारी वॉरेन हेस्टिंग्स द्वारा रखी गई। लेकिन बाद में चार्ल्स कॉर्नवॉलिस द्वारा और अधिक सुधार किए गए, इसलिए उन्हें ₹भारत में नागरिक सेवाओं के ₹पिता₹ के रूप में जाना जाता है। तत्कालीन भारतीय इतिहास में सिविल सेवा की शुरुआत मूल रूप से ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा वाणिज्यिक कार्यों को संभालने के लिए की गई थी। कंपनी का उद्देश्य व्यापारिक हितों की रक्षा करना था, लेकिन धीरे-धीरे यह सेवा प्रशासनिक मशीनरी के रूप में भी विकसित हुई। कालांतर में जैसे-जैसे कंपनी के क्षेत्रीय प्रभाव में विस्तार हुआ, वैसे-वैसे सिविल सेवकों की जिम्मेदारियाँ भी बढ़ीं और प्रशासनिक कामकाज के संचालन के लिए उन्हें तैयार किया गया। धार्मिक और दार्शनिक ग्रंथों में प्रशासन का उल्लेख मनुस्मृति और कौटिल्य के अर्थशास्त्र जैसे ग्रंथों में राजधर्म, प्रशासनिक ढांचे, अधिकारियों की नियुक्ति और उनके कर्तव्यों के रूप में मिलता है। तब शासन में न्याय, कर-संग्रह, जनकल्याण, और दंड नीति पर विशेष बल दिया गया था। हमारे प्राचीन महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों में राजधर्म, दंडनीति और राज्य व्यवस्था के उच्च आदर्शों का भी उल्लेख मिलता है। यही नहीं भारतीय सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल में प्रशासनिक संचालन के लिए राजुक एवं महामात्र आदि अधिकारियों की नियुक्ति की थी। यह अधिकारी न्याय, कर संग्रह, जन-कल्याण और राज्य की निगरानी जैसे कार्य करते थे। प्राचीन शिलालेखों में धम्म नीति का उल्लेख मिलता है, जो शासन में नैतिकता और लोकहित को प्रमुखता देता है। वहीं,गुप्त काल की प्रशासनिक व्यवस्था में विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्ति देखी गई। प्रशासनिक पदों में उपरिक, विषयपति, नगरपति, और ग्रामिक जैसे पदाधिकारी नियुक्त होते थे।स्थानीय प्रशासन को अधिक अधिकार प्राप्त थे, जिससे शासन सुगठित रूप से चलता था। मध्यकालीन भारत की प्रशासनिक व्यवस्था में दक्षिण भारत के साम्राज्य चोल, चेर, पाण्ड्य और विजयनगर साम्राज्य में संगठित प्रशासनिक तंत्र था।

प्राचीन भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के इतिहास में चोलों के काल में स्थानीय स्वशासन प्रणाली अत्यंत विकसित थी। तब ग्राम सभाएं सक्रिय रूप से कर संग्रह, न्याय और विकास कार्यों में लगी रहती थीं। आज की प्रशासनिक व्यवस्था में काल की प्रशासनिक व्यवस्था परिलक्षित होती है। इसी प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज ने एक संगठित प्रशासनिक ढांचा स्थापित किया जिसे ₹अष्टप्रधान मंडल₹ कहा जाता था, जिसमें आठ मंत्री विभिन्न विभागों का संचालन करते थे।इनमें पेशवा, अमात्य, सुमंत, सचिव, पंडितराव, सेनापति, नायक एवं न्यायाधीश शामिल थे।

हमारे ऋषि...

डॉ. नीरज भारद्वाज

भगवान श्रीराम का ऋषि मुनियों के प्रति भक्ति भाव

हमें भारतीय ज्ञान परंपरा की बात करते समय अपने साधु, संत, महात्माओं, ऋषियों, मुनियों, ज्ञानियों आदि को नहीं भूलना चाहिए। इन ऋषि-मुनियों आदि के ज्ञान, ध्यान, तप, योग, साधना आदि से ही ज्ञान परंपरा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में पहुँच पाई। हमारी गुरूकुल व्यवस्था, तीर्थ स्थानों, पवित्र नदियों आदि के किनारे बैठे योगी साधकों ने अपने आशीर्वाद आदि से सामान्य जीव को ज्ञान दिया। विचार करें तो इसी ज्ञान परंपरा के चलते पशु-पक्षियों को भी बहुत सारा ज्ञान प्राप्त हुआ और वह आवागमन के चक्कर से मुक्त हो गए। हमारे ऋषि-मुनि ज्ञान का अथाह सागर हैं। वह मौन से भी जीव को बहुत कुछ दे देते हैं। इन ऋषि-मुनियों का दर्शन ही जीवन को बदल देता है। एक विचार के अनुसार भगवान और देवताओं का धरा धाम पर अवतार लेकर आना भी ऋषि-मुनियों के यज्ञ, तप का ही फल है। मानस में गोस्वामी जी लिखते हैं कि श्रृंगी रिषिहि बहोरि बोलावा। पुत्रकाम सुभ जग्य करावा।। अर्थात भगवान श्रीराम के जन्म के लिए पुत्रकामेष्टि यज्ञ महर्षि श्रृंगी (ऋष्यश्रृंग) ने किया। राजा दशरथ के अनुरोध पर उन्होंने सरयू के तट पर यह यज्ञ संपन्न किया, जिसके बाद अग्निदेव ने खीर का प्रसाद दिया था। जिससे भगवान श्रीराम का प्रकाट्य धरा धाम पर हुआ।

भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र को जब हम रामचरितमानस के आधार पर जानते, समझते, पढ़ते और विचार करते हैं तो पाते हैं कि भगवान श्रीराम ने अपनी शिक्षा ऋषियों, मुनियों, संतों के पास पूरी की है। 'गुरु गृह गए पढ़न रघुराई, अल्प काल विद्या सब पाई' अर्थात जब

भगवान श्रीराम गुरु वशिष्ठ के आश्रम (गुरु गृह) शिक्षा ग्रहण करने गए, तो उन्होंने बहुत कम समय (अल्प काल) में ही सभी तरह की विद्या और ज्ञान प्राप्त कर लिया। यह सच्चे मन से गुरु की शरण में जाने के महत्व को दर्शाता है। शिक्षा प्राप्त करते हुए ही भगवान श्रीराम को बहुत सारे ऋषि-मुनियों का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। भगवान श्रीराम को धनुष यज्ञ के समय अर्थात अपने विवाह में भगवान परशुराम का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

भगवान श्रीराम ने चौदह वर्षों के वनवास के समय बहुत से महान ऋषियों-मुनियों के आश्रमों की यात्रा की और उनसे आध्यात्मिक ज्ञान तथा दिव्यास्त्र प्राप्त किए। वनवास के प्रारंभ में प्रयागराज पहुंचने पर श्रीराम सबसे पहले महर्षि भरद्वाज के आश्रम गए। गोस्वामी जी लिखते हैं कि भरद्वाज मुनि बसहिं प्रयागा। तिन्हहि राम पद अति अनुरागा॥ तापस सम दम दया निधाना। परमारथ पथ परम सुजाना।। भरद्वाज ऋषि ने ही श्रीराम, सीता और लक्ष्मण को चित्रकूट में निवास करने का सुझाव दिया था। चित्रकूट प्रवास के समय श्रीराम महर्षि वाल्मीकि के आश्रम गए।

जरा हटके

या फिर सरकार...

कमलेश पांडेय

प्रधानमंत्री ने महिला कोटा संशोधन बिल सम्बन्धी अपनी सरकार की नाकामियों को विपक्ष के मत्थे मढ दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हालिया ₹राष्ट्र के नाम₹ संदेश मुख्य रूप से लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक से जुड़े कतिपय संशोधन के असफल होने के बाद आया, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर सीधा प्रहार किया। यह संदेश राजनीतिक रूप से विपक्ष को निशाना बनाने और अपनी सरकार की छवि को मजबूत करने का प्रयास था। लेकिन उन्हें ठंडे दिमाग से देश को जवाब देना चाहिए कि जब ओबीसी और ईडब्ल्यूएस को आरक्षण प्राप्त है तो फिर संसद और विधान मंडलों में इसे अविलंब लागू करने के लिए सरकार परिसीमन का लॉलीपॉप क्यों थमा रही है?

या फिर सरकार तदर्थ व्यवस्था क्यों नहीं कर रही है कि राजनीतिक दल घोषित आरक्षण के मुताबिक ही टिकट वितरण करेंगे, अन्यथा उनकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी और चुनाव लड़ने से रोक दिया जाएगा? यही नहीं तमाम राजनीतिक दलों के सांगठनिक पदों में भी यह आरक्षण लागू होगा। जरा सोचिए, गलत तो नहीं कहा! बात छोटी थी, गलती बीजेपी एनडीए सरकार की थी, लेकिन विपक्ष को आरोपों के कठघरे में खड़ा करके मुद्दे को तिल से ताड़ बनवा दिया। जैसे इसी काम में महारत हासिल हो! गंभीर सवाल है कि जब आप कांग्रेस और समाजवादी राजनीति के सियासी पीच पर जाकर बॉलिंग/बैटिंग कीजिएगा तो राष्ट्रवादी परिणाम कतई नहीं

मिलेंगे। आप भ्रम में हैं कि ओबीसी/दलित/अल्पसंख्यक आपको हाथोंहाथ लेंगे, मौका मिलते ही सियासी धोबिया पाट पर ऐसे पिटेंगे, जैसे 12 वर्षों में पहली बार मौका मिलते ही संसद में पीट दिया। आपका बहुमत है, लेकिन दो तिहाई बहुमत आप जुटा नहीं पाए, जबकि संसद ओबीसी, दलित, अल्पसंख्यक सांसदों से अटी पड़ी है। स्वाभाविक सवाल है कि कहाँ गया आपका अति पिछड़ी जाति से होने का गुरूर! जिस देश का प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री खुद को पिछड़ा/अति पिछड़ा कहे, वह राष्ट्र मानसिक धरातल पर कितना पिछड़ा होगा! तभी तो अपने पड़ोसी देशों के एजेंडे पर भारत थिरकता है, क्योंकि पिछड़ी मानसिकता से दुनिया आखिर उम्मीद ही क्या करेगी? गरीबी चेहरे से बोलती है, लेकिन संवैधानिक गरीबी तो 7-8 दशकों से लाइलाज है। जिन जनप्रति-निधियों, अधिकारियों को स्वर्गिक सुविधाएं नसीब हैं, वह कागज में पिछड़ा बना रहता है। यह बहुमत का नंगानाच है, भारत की सभी परेशानियों की जड़ है। कितनी अटपटी बात है कि जब आप ओबीसी, दलित, पसमांदा वोट बैंक के लिए, सबकुछ करने को ततपर हैं, तब गिने चुने सांसद भी मैनेज नहीं हुए तो आम जनमानस जिसमें समाजवादी जातिवादी, दलितवादी, अल्पसं-ख्यकवादी और सवर्ण विरोधी इतना जहर घुल गया है कि अब आपकी भाजपा उन्हें पटाने के चक्कर में कांग्रेसी दुर्गति को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। ऐसा इसलिए कि यूजीसी बिल से आपके वफादार दिल से खिसके और महिला संशोधन बिल, परिसीमन बिल के चक्कर में ओबीसी, दलित, अल्पसंख्यक और क्षेत्रीय जमात! अब आप खुद सोचिये, सच्चाई के सियासी धरातल पर कहाँ खड़े हैं? आपकी पार्टी क्यों नहीं कांग्रेसी मौत मरेगी यानी पिछड़ेगी क्योंकि कांग्रेस से भागे सवर्णों ने ही तो आपका राजनीतिक घर बसाया है।

अक्षय तृतीया का अक्षय दिन

अक्षय का मतलब है जिसका कभी क्षय (नाश) न हो ।अक्षय तृतीया अपने आप में स्वयं सिद्ध मुहूर्त है कोई भी शुभ कार्य का प्रारम्भ किया जा सकता है । विक्रम सम्वत का वैशाख मास शुक्ल पक्ष की तृतीया खास हैं जो कभी क्षय नहीं होती इसीलिए अक्षय तृतीया कहलाती हैं ।हर शुभ कार्य में उत्तम मानी जाती है, अबूझ मुहूर्त कहलाती है। अक्षय तृतीया वह तिथि है जिसमें सौभाग्य और शुभ फल का कभी क्षय नहीं होता। जैन परम्परा में इस तिथि का विशेष महत्व है क्योंकि इस तृतीया को ही जैन परम्परा में प्रथम तीर्थंकर भगवान् ऋषभ की बारह मास की अ-पचक्खी बिना अन्न जल की तपस्या का प्रपौत्र श्रेयांस के हाथों अकस्मात पारणे का सुसंयोग मिला ।वह तब से लेकर अनवरत आज तक एकांतर वर्षी तप के पारणे के रूप में हर वर्ष सोत्साह मनाने का दिन माना जाने लगा। वैसे अटूट अभंग का हमारी मान्यता में सदा ही शुभ का योग माना जाता है। देवी-देवताओं की पूजा अर्चना व शुभ कार्यों में अक्षत यानी अभंग चावल का प्रयोग। इसीलिए तिथि के अक्षय गुण के कारण इस अक्षय तृतीया को शुभ कार्यों के लिए अबूझ मुहूर्त माना जाता है ।इस अक्षय तिथि की ही क्या बात करें कई बातें हैं तीन-तीन की जो अक्षय की तरह शुभ हैं जैसे ज्ञान-दर्शन-चारित्र , अध्यात्म में उत्तम, पवित्र हैं ।हर परिस्थिति में देव-गुरु-धर्म इनका स्मरण सम्बल के रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैं । मन-वचन-काया इनका महत्व तो शास्त्रों ने पग-पग पर गाया है। भगवान् ऋषभ के समय लोगों का बौद्धिक विकास नहीं के बराबर था ।जितना बताया जाता था वे उतना ही समझतें थें ।आस- पास की बात उनके चिन्तन के बाहर थी ।खेती पकने के बाद उसे काटकर अनाज निकालने की विधि स्वयं ऋषभ ने उन्हें बतलाईं ।लोग अनाज निकालने लगे । अनाज पर बैलों को धुमा - धुमा कर अनाज और भूसे को अलग- अलग करते , पर बैलों को भूख लगने पर वे उसी अनाज को खानें लगें ।लोग घबराएं और सोचने लगे कि ये अनाज खा जाएंगे तो हम क्या खाएंगे ? शाम को ऋषभ के पास आए ।वे ऋषभ को बाबा के नाम से पुकारते थें ।कहने लगे- बाबा! अनाज तो बैल खा जाएंगे फिर हमारे लिए क्या बचेगा ।बाबा ने घास कि रस्सियों की छींकी बनाकर कहा- ऐसी छींकी लगा दो, फिर नहीं खाएंगे।

> प्रदीप छाजेड़

अफेयर से नाराज पिता ने की बेटी की हत्या

लखनऊ में दोस्त के साथ मिलकर कार में गला दबाया, चेहरा तेजाब से जलाकर बाराबंकी में फेंका

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में पिता ने अपने दोस्त के साथ मिलकर नाबालिग बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद पहचान मिटाने के लिए किशोरी के चेहरे को तेजाब से जला दिया और शव को बाराबंकी में कुर्सी रोड के किनारे फेंक दिया।

घटना को छिपाने के लिए पिता ने बेटी के लापता होने की झूठी कहानी रची। ऑनलाइन जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के दौरान पिता और उसके दोस्त को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी पिता ने बताया- उसकी बेटी कई लड़कों से बातचीत करती थी। साल 2025 में एक लड़के के साथ घर से भाग भी गई थी। इसी बात से वह नाराज था। यह घटना चिनहट थाना क्षेत्र के धावा की है। मृतक किशोरी की पहचान 16 वर्षीय चांदनी चौबे के रूप में हुई है। डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया- 16 अप्रैल को धावा, चिनहट निवासी विजय कुमार चौबे (34) ने IGRS पर अपनी 16 साल की बेटी चांदनी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर 18 अप्रैल को चिनहट पुलिस उसके घर पहुंची, लेकिन विजय कुमार घर पर नहीं मिला।

आसपास पूछताछ में पता चला कि वह खुद ही बेटी को अपने साथ लेकर गया था। पुलिस ने विजय कुमार से फोन पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका नंबर बंद मिला। जांच में पता चला कि चांदनी 2025 में एक लड़के के साथ भाग गई थी।

चांदनी चौबे, मृतक

> डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा ने बताया- आरोपी विजय कुमार चौबे के जुर्म कबूल करने के बाद बाराबंकी पुलिस से संपर्क किया गया। उन्हें चांदनी की तस्वीर भेजी गई। बाराबंकी पुलिस ने पुष्टि की कि 15 अप्रैल को बड्डूपुर, कुर्सी रोड स्थित शारदा नहर किनारे एक किशोरी का शव मिला था।

झाड़-फूंक के बहाने ले गया, रास्ते में की हत्या

पूछताछ में आरोपी पिता विजय कुमार चौबे ने बताया- उसकी बेटी चांदनी चौबे कई लड़कों से बात करती थी। साल 2025 में वह एक लड़के के साथ घर से भाग गई थी। इस मामले में चिनहट थाने में मुकदमा भी दर्ज हुआ था। करीब 15 दिन बाद पुलिस ने उसे बरामद कर परिवार को सौंप दिया था। इसके बाद भी चांदनी उस लड़के से लगातार संपर्क में थी। इसी बात से नाराज होकर पिता ने हत्या की साजिश रची। 13 अप्रैल को विजय कुमार ने अपने दोस्त अब्दुल मन्नान के साथ मिलकर किराए पर कार ली। बेटी को झाड़-फूंक के बहाने अपने साथ बाराबंकी ले गया। रास्ते में रात को एक ढाबे पर रुका। अगले दिन, 14 अप्रैल को वह कार से चांदनी को लेकर बाराबंकी के बड्डूपुर इलाके में शारदा नहर, कुर्सी रोड के पास पहुंचा। कार में सो रही बेटी का गला दबाकर हत्या कर दी। चांदनी ने विरोध किया, लेकिन विजय कुमार और उसके दोस्त मन्नान ने उसका गला तब तक दबाए रखा, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई।

पुलिस ने आरोपी पिता और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में दोनों ने किशोरी की हत्या करने की बात कबूल की है।

दूल्हे ने बारातियों के साथ डीएम ऑफिस का घेराव किया

बोला- अंधेरे में दुल्हन कैसे घर लाऊं, बिजली बिल माफ करो

तमसा संकेत, एजेंसी

बांदा । बांदा में शादी से पहले बिजली कटने से आहत एक दूल्हे और बारातियों ने सोमवार को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। दूल्हे ने नारेबाजी की। कहा, बिजली बिल माफ करो। यही मेरी शादी का शगुन होगा। दूल्हे ने कहा- कल, रविवार को मेंहदी रस्म थी। इसी बीच बिजली विभाग ने लाइट काट दी। स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिल दोगुना आ रहा है, जिसे चुकाना मुश्किल हो गया है। अब अंधेरे में बहू को कैसे घर लाऊं।

सिटी मजिस्ट्रेट ने दूल्हे और बारातियों को समझाया। आश्वासन दिया कि आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद दूल्हा वापस लौट गया। मामला मटौंध थाना क्षेत्र का है। उजरेहटा गांव में राजेंद्र (57) परिवार के साथ रहते हैं। राजेंद्र के 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। सबसे छोटे बेटे कुलदीप (32) को छोड़कर सबकी शादी हो चुकी है। कुलदीप की शादी

पिछले साल महोबा के खन्ना में तय हुई थी। रविवार को घर में मेहंदी की रस्में चल रही थीं। डांस कार्यक्रम भी चल रहा था। रात 10:45 बजे के आसपास लाइट कट गई। पहले सबको लगा कि लाइट चली गई है, लेकिन बाहर देखा तो दूसरे घरों में लाइट आ रही थी। इसके बाद स्मार्ट मीटर चेक किया गया तो पता चला कि बैलैंस माइनस में चला गया था। इसके बाद रात भर घरवाले और परिजन परेशान रहे। सोमवार सुबह बारात विदा होनी थी। घरवालों ने कुलदीप से मंदिर चलने को कहा तो उसने मना कर दिया और बोला कि पहले सभी लोग मेरे साथ डीएम ऑफिस चलो।

फास्ट न्यूज

कचहरी गोलघर से नगर-निगम ने हटाया अतिक्रमण

वाराणसी। वाराणसी के गोलघर कचहरी स्थित नगर निगम की दुकानों के सामने किए गए अतिक्रमण पर सोमवार की शाम नगर निगम ने प्रभावी कार्रवाई की। इस दौरान प्रवर्तन दल के कर्मी भी मौजूद रहे और मौके से अतिक्रमण कर रहे पांच दुकानदारों के काउंटर को भी जब्त किया गया। इस दौरान वरुणा पार के जोनल अधिकारी जितेंद्र आनंद भी मौजूद रहे।

गोरखपुर में 2 बच्चियों के साथ हैवानियत

गोरखपुर । गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में 02 मासूम बच्चियों के साथ हैवानियत का मामला सामने आया है। आरोपी ने टॉफी देने के बहाने दोनों बच्चियों को अपने कमरे में बुलाकर उनके कपड़े निकालकर अश्लील हरकत की।

शिकायत मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। आरोपी की पहचान गोला थाना क्षेत्र के परसिया निवासी 28 साल के आकाश कुमार के रूप में हुई।

चिलचिलाती धूप और हीट वेब से हालत खराब

गोरखपुर । गोरखपुर में चिलचिलाती धूप ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। दोपहर के समय तापमान करीब 40 डिग्री के आसपास पहुंच गया। 20 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से धूल भरी लू भी चल रही। जिससे बाहर निकलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर लोग चेहरे को दुपट्टे या गमछे से ढके हुए, छाता लिए हुए या टोपी पहने हुए नजर आ रहे।

संवर्धनष के द्वितीय चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । उ0 प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा प्रेषित कार्ययोजना के अनुसार जनपद बाराबंकी, लखनऊ, सीतापुर, लखीमपुर खीरी एवं रायबरेली के पराविधिक स्वयं सेवकगण (अधिकार मित्र) के क्लस्टर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम ₹संवर्धनष् के द्वितीय चरण के एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन, हिंद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज सफेदाबाद बाराबंकी के सभागार, में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में जनपद बाराबंकी के सचिव उज्ज्वल उपाध्याय, जनपद लखनऊ के सचिव कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा, सीतापुर के सचिव आलोक यादव, लखीमपुर खीरी के सचिव अम्बारीश त्रिपाठी एवं रायबरेली के सचिव श्रीमती अनीशा व पराविधिक स्वयं सेवकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में उपरोक्त जनपदों के दो-दो पराविधिक स्वयं सेवकों को सर्वश्रेष्ठ पराविधिक स्वयं सेवक का प्रमाण पत्र व शील्ड देकर जनपद न्यायाधीश द्वारा सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम संवर्धन की अध्यक्षता करते हुये मुख्य अतिथि श्रीमती प्रतिमा श्रीवास्तव अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाराबंकी द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित पराविधिक स्वयं सेवकों का उत्वाहवर्धन करते हुये उन्हें जमीनी स्तर पर बेहतर कार्य करने तथा सभी को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

फर्जी पैन कार्ड मामले में फैसला, बेटे को चुनाव लड़ाने के लिए उम्र बढ़ाई थी

आजम और बेटे अब्दुल्ला की 7-7 साल की सजा बरकरार

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा सुनाई गई है। रामपुर कोर्ट ने पैन कार्ड फ्रॉड से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में यह फैसला सुनाया। इससे पहले MP-MLA कोर्ट ने भी दोनों को सात साल की सजा दी थी। इसके खिलाफ आजम और उनके बेटे ने सेशन कोर्ट में अपील की थी।

भाजपा नेता और रामपुर नगर विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई, 2019 को कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि अब्दुल्ला आजम ने नियमों का उल्लंघन करते हुए दो पैन कार्ड बनवाए। जांच के दौरान मामले में आजम खान की भूमिका सामने आने पर उन्हें भी आरोपी बनाया गया। जिसके बाद दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया गया।

यह फोटो 17 नवंबर की है। जब फर्जी पैन कार्ड मामले में आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला को MP/MLA कोर्ट ने 7-7 साल की सजा सुनाई थी।

> मामला 2019 का है, जब भाजपा नेता और रामपुर नगर विधायक आकाश सक्सेना ने कोतवाली सिविल लाइंस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अब्दुल्ला आजम पर अलग-अलग जन्मतिथि से दो पैन कार्ड बनवाने की शिकायत की थी। जांच में आजम खान को भी आरोपी बनाया गया था।

निचली अदालत ने पिता-बेटे को सजा सुनाई

लंबी सुनवाई के बाद रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 17 नवंबर 2025 को दोनों को दोषी ठहराया था। कोर्ट ने दोनों को 7-7 साल की सजा सुनाई और 50-50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। इस सजा के बाद से आजम खान और अब्दुल्ला जिला जेल में बंद हैं। सजा के खिलाफ आजम और बेटे अब्दुल्ला की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दायर की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष से अधिवक्ता नासिर सुल्तान समेत अन्य वकीलों ने दलीलें दीं। अभियोजन पक्ष से एडीजीसी सीमा राणा और अपर महाधिवक्ता ने सरकार का पक्ष रखा। दोनों पक्षों की बहस 6 अप्रैल, 2026 को पूरी हो गई थी। इसके बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखते हुए 20 अप्रैल की तारीख तय की थी।

आजम और अब्दुल्ला की सजा बढ़ाने की मांग

सरकार की ओर से पैरवी कर रहीं एडीजीसी सीमा राणा ने दैनिक भास्कर को केस के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निचली अदालत के जज शोभित बंसल द्वारा सुनाई गई सजा बरकरार रहेगी। सेशन कोर्ट के जज डॉ. विजय कुमार ने अब्दुल्ला आजम और आजम खान की याचिका को खारिज कर दिया। वहीं, रामपुर के काजिम अली खान उर्फ नवेद मियां, जो पूर्व मंत्री और स्वार टांडा के पूर्व विधायक रह चुके हैं, उनकी ओर से भी एक रिवीजन दाखिल किया गया था, जिसे सेशन कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसके बाद नवेद मियां ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि जब सजा बढ़ाने से संबंधित राज्य की अपील पर सेशन कोर्ट में सुनवाई हो, तो नवेद मियां को भी सुना जाए।

जब तक उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा

ग्राम रोजगार सेवकों की कलमबंद हड़ताल शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। ग्राम रोजगार सेवकों (मनरेगा कर्मचारियों) ने प्रांतीय आवाहन पर 16 अप्रैल से कलमबंद हड़ताल शुरू कर दी है, जो 25 अप्रैल 2026 तक जारी रहेगी। हड़ताल के चलते मनरेगा से जुड़े कार्य पूरी तरह प्रभावित होने की संभावना बन गई है। करीब दो दर्जनों से अधिक ग्राम रोजगार सेवकों ने खंड विकास अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि उनकी लंबित मांगों के समाधान के लिए यह कदम उठाया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। किसी भी प्रकार का कार्य नहीं किया जाएगा। इसके अलावा ग्राम रोजगार सेवकों को हटाने की प्रक्रिया में संशोधन कर ग्राम सभा के दो-तिहाई बहुमत की व्यवस्था लागू करने, मानदेय भुगतान के लिए अलग बजट प्रावधान करने, तथा 12 से 14 माह से लंबित मानदेय का तत्काल भुगतान कराने की मांग की गई है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि लंबे समय से मानदेय न मिलने के कारण उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनके परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतें, बच्चों की पढ़ाई और चिकित्सा जैसी आवश्यकताएं प्रभावित हो रही हैं। अन्य मांगों में जॉब चार्ट में अतिरिक्त कार्य जोड़कर विभागीय कर्मचारी घोषित करना, कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए उच्च गुणवत्ता वाले एंड्रॉयड मोबाइल फोन एवं डाटा रिचार्ज उपलब्ध कराना, 20 दिन आकस्मिक अवकाश और 12 दिन चिकित्सा अवकाश की व्यवस्था लागू करना, न्याय पंचायत स्तर पर स्थानांतरण की व्यवस्था, तथा मृतक आश्रितों को सेवा में समायोजित करने की मांग शामिल है। ग्राम रोजगार सेवकों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र उनकी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो 5 मई 2026 को बैठक कर विधानसभा घेराव किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

> ज्ञापन में प्रमुख मांगों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रदेश स्तर पर लंबे समय से रोजगार सेवक अपनी समस्याओं को लेकर संघर्षरत हैं। कर्मचारियों ने मांग की है कि मुख्यमंत्री द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को की गई घोषणा के अनुरूप मानव संसाधन नीति (एचआर पॉलिसी) लागू की जाए और न्यूनतम 24 हजार रुपये मासिक मानदेय सुनिश्चित किया जाए।

मखाना खेती पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

किसानों को दी गई आधुनिक खेती की जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर स्थित रुद्र ब्रदर्स फ्रेश फ्रूट्स एंड वेजिटेबल्स फार्म पर मखाना की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए किसानों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र कटिया, सीतापुर के तत्वावधान में आयोजित हुआ, जिसमें मखाना की खेती की संभावनाओं, तकनीकी पहलुओं एवं किसानों की आय बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय मखाना बोर्ड, भारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की जानकारी दी गई। साथ ही उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में भी किसानों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र कटिया के प्रभारी डॉ. दया श्रीवास्तव ने किसानों को संबोधित करते हुए मखाना की खेती को एक लाभकारी विकल्प बताते हुए इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मखाना की मांग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी तेजी से बढ़ रही है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त हो सकती है। वहीं, केंद्र के वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रधान अन्वेषक डॉ. शुभम सिंह राठौर ने मखाना की खेती की वैज्ञानिक विधियों, लागत, उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि कैसे मखाना की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग के माध्यम से अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री मथुरा सिंह द्वारा की गई।

बयान : अयोध्या में बृजभूषण सिंह बोले- तुम 175 साल आरक्षण ले लो, हमें जरूरत नहीं

'संविधान डॉ. अंबेडकर नहीं, 242 सांसदों ने बनाया था'

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । अयोध्या में परशुराम जयंती के मौके पर रविवार को भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह आरक्षण व्यवस्था को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा- 75 नहीं, 175 साल तक आरक्षण ले लो। हमें इसकी आवश्यकता नहीं है। आज भी कई पारंपरिक समुदाय विकास की मुख्यधारा से दूर हैं।

संविधान निर्माण पर उन्होंने कहा- संविधान केवल डॉ. भीमराव अंबेडकर ने ही नहीं, बल्कि 242 सांसदों ने मिलकर बनाया था।

इसके साथ ही उन्होंने बहुजन समाज के संस्थापक कांशीराम को एक 'समाजसेवी' बताते हुए याद किया, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि जातिगत विभाजन की राजनीति ने समाज को बांटने का काम किया है। उन्होंने खुद को किसी समाज का विरोधी न बताते हुए केवल समान अवसर की वकालत की।

उन्होंने कहा- कांशीराम जी अब हमारे बीच नहीं हैं। वह एक समाजसेवी थे और उन्होंने बहुत काम किया। शुरुआती दिनों में जब वह भाषण देते थे, तब कलम के माध्यम से समझाते थे कि ऊपर सवर्ण, बीच में पिछड़ा और नीचे दलित हैं। अब इस व्यवस्था को बदलना होगा। कांशीरामजी, आपकी कृपा से आपकी यह मनोकामना पूरी हुई। अगर आप आज अगड़े समाज को देखना चाहते हैं तो देख लीजिए- हम गौशालाओं में मजदूरी करते हैं, रिक्शा चलाते हैं और मंदिरों में श्रम करते हैं। हम सफाई कर्मचारी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। हमने यह तय कर लिया है कि हम आरक्षण का विरोध नहीं करेंगे।

अयोध्या के दर्शनगर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

अगड़े से बने पिछड़े का भला हुआ

बृजभूषण सिंह ने कहा- इन 75 सालों में आपका कितना भला हुआ? मंडल आयोग आया, फिर भी पूरी तरह भला नहीं हुआ। हालांकि, कुछ लोगों का भला जरूर हुआ, लेकिन जो वास्तविक हकदार थे, उनको लाभ मिला। अगड़ों में जो पिछड़े बन गए, उनका भला हुआ, लेकिन लोहार, कुम्हार, बढ़ई और तेली जैसे पारंपरिक समुदायों का भला नहीं हुआ।

242 सांसदों ने मिलकर संविधान बनाया था

बृजभूषण सिंह ने कहा- संविधान को केवल बाबा भीमराव अंबेडकर ने ही नहीं, बल्कि 242 सांसदों ने मिलकर बनाया था। हम लोगों ने सहमति से राजपाठ और जमींदारी छोड़ी। हमें इसका कोई पछतावा नहीं है, लेकिन आपके जीवन में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ रहा है। क्योंकि आपके समाज के कुछ असली और नकली लोग हैं, जो ऊँचे स्थानों पर बैठे हैं और आपको ऊपर नहीं आने देना चाहते।

काशी में 7 जिलों के 1100 बटुकों का यज्ञोपवीत

वाराणसी। धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज की तपोभूमि श्रीधर्मसंघ, मणि मन्दिर (दुर्गाकुण्ड) में सोमवार को एक साथ 1100 बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पवित्र यज्ञोपवीत धारण किया।

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रत्येक वर्ष की तरह ही इस बार भी धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रह्मचारी जी महाराज के पावन सानिध्य में बटुकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार पूर्ण किया गया। यज्ञोपवीत के निमित्त प्रातः सात बजे से ही धर्मसंघ प्रांगण में विविध आयोजन प्रारम्भ हो गए थे। सबसे पहले मुख्य यजमान एवं बटुकों द्वारा संकल्प लिया गया, तत्पश्चात सविधि पंचांग पूजन किया गया, इसके उपरांत बटुकों का स्नानादि और छौरकर्म कराया गया तत्पश्चात पीले वस्त्रों में बटुकों ने सम्पूर्ण वैदिक रीति रिवाज के साथ यज्ञोपवीत धारण किया।

बीबीएयू शिक्षकों ने टीबी बैक्टीरिया के जीन्स खोजे

एमडीआर टीबी के मरीजों के इलाज में होगी मदद

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (BBAU) के वैज्ञानिकों ने टीबी के जानलेवा बैक्टेरिया माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस को लेकर एक बड़ी सफलता हासिल की है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ.यूसुफ अख्तर और शोधार्थी डॉ.गौरी शंकर ने एक शोध में चार खास जीन्स खोजे हैं। जो मुश्किल वक्त में टीबी के जीवाणु को सक्रिय रखते हैं। उसे आयरन मुहैया कराने में मदद करते हैं। शोध को स्प्रिंगर नेचर की प्रतिष्ठित पत्रिका बायो मेटल्स ने प्रकाशित किया है। डॉ. यूसुफ अख्तर ने बताया कि जब शरीर का इम्यून सिस्टम टीबी जीवाणु को रोकने के लिए पोषक तत्व आयरन की आपूर्ति बंद कर देता है। ये जीवाणु साइडरोफोर नामक पदार्थ पैदा करता है। ये चुंबक की तरह शरीर की कोशिकाओं से आयरन खींचकर जीवाणु तक पहुंचाता है। ऐसी दवा बनाई जाए जो जीवाणु के इस आयरन खींचने वाले सिस्टम को रोक दे, तो वह सिर्फ जीवाणु को मारेगी और शरीर के बाकी हिस्सों को नुकसान नहीं पहुंचाएगी।

भारत में दुनिया के 25% टीबी के मामले हैं। हर साल लगभग 3.2 लाख लोग इससे जान गंवाते हैं। वर्तमान में मल्टीड्रग रेज़िस्टेंट (MDR) टीबी में सामान्य दवाएं बेअसर हो रही हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि आयरन जीवाणु की बुनियादी जरूरत है।

बाघ के लिए कूलर लगे, कीचड़ में लोटता दिखा भालू, दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा

यूपी में लू की चेतावनी

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । यूपी में भीषण गर्मी पड़ रही है। सोमवार को ज्यादातर जिलों में सुबह से तेज धूप निकली। हवा की रफ्तार कम होने से उमस बढ़ गई। दिन में सड़कों पर सन्नाटा दिखा। जरूरी काम से बाहर निकले लोग छातों और गमछों से बचते नजर आए।

मौसम विभाग (IMD) ने आज के लिए प्रचंड गर्मी का अलर्ट जारी किया था। फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, मिर्जापुर, वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र में लू (हीट-वेव) की संभावना जताई। सहारनपुर, मुजफ्फरनगर,

बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर में रातें भी गर्म रहेंगी।

योगी ने 'X' पर चिट्ठी लिखकर लोगों से अपना ख्याल रखने की अपील की। कहा- बच्चों और बुजुर्गों का खास ख्याल रखें। सूती या खादी के ढीले कपड़े पहनें। इस बीच, वाराणसी और प्रयागराज में 8वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग बदल दी गई। 27 जिलों का तापमान 40C या इससे ज्यादा पहुंच गया।

कानपुर चिड़ियाघर में बाघ के लिए कूलर लगाए गए। भालू कीचड़ में लोटकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश करता दिखा। पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रयागराज सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 44.6C दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान भी 20C तक पहुंच गया। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया-महा-

आगरा इस समय भीषण हीटवेव की चपेट में है, जहां दोपहर में चल रही लू के थपेड़ों ने लोगों को बेहाल कर दिया है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सोमवार दोपहर तेज गर्मी और धूप के कारण सड़कों पर आवाजाही काफी कम रही।

राष्ट्र के आसपास बने एंटी-साइक्लोन के असर से अगले 2-3 दिनों के दौरान तापमान में 2-3C की बढ़ोतरी होगी।

प्रयागराज में इस वक्त पारा 43 डिग्री पहुंचा

प्रयागराज में अप्रैल में ही जून जैसी भीषण गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। सोमवार दोपहर अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 5 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग (IMD) ने शहर और आसपास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। पछुआ हवाओं के चलते चल रही लू लोगों को झुलसा देने वाली महसूस हो रही है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण सिविल लाइंस, चौक और कटरा जैसे प्रमुख बाजारों में दोपहर के समय सन्नाटा पसरा रहा और लोग केवल जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकलते नजर आए।

अधिकांश जिलों का तापमान 45C या इससे पार पहुंचेगा। पूर्वी यूपी में कहीं-कहीं लू चलने की संभावना है। फिलहाल अप्रैल के बचे दिनों में गर्मी से राहत की कोई उम्मीद नहीं है। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर भगवान श्री विश्वेश्वर का ठंडाई और विभिन्न फलों के रसों से अभिषेक किया गया।

कानपुर में पारा 40 डिग्री पहुंचा, सड़कों पर सन्नाटा छाया

कानपुर में गर्मी लोगों के पसीने छुड़ा रही है। सुबह से तेज धूप के कारण तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है और दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है। बाहर निकलने वाले लोग गर्मी से राहत के लिए गन्ने का रस, पना और शिकंजी का सहारा ले रहे हैं, वहीं चल रही गर्म हवाएं लू का एहसास करा रही हैं। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह तापमान और बढ़कर 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच सकता है, जिससे लोगों को और परेशानी झेलनी पड़ेगी।

बेसिक शिक्षा के 32000 स्कूलों को 50 हजार की सहायता

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में निपुण भारत मिशन के तहत 32,480 प्राथमिक विद्यालयों को 'निपुण' घोषित किए गए हैं। इन विद्यालयों में कक्षा 1 और 2 के कम से कम 80% बच्चों ने भाषा और गणित में अपेक्षित दक्षता हासिल की है। इन विद्यालयों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है। निपुण रैंकिंग में प्रदेश के कई जिलों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। निपुण आकलन के आधार पर सबसे अधिक निपुण विद्यालयों वाले जिलों में हरदोई (1002 विद्यालय), अलीगढ़ (969 विद्यालय), शाहजहांपुर (916 विद्यालय), महाराजगंज (874 विद्यालय) और खीरी (830 विद्यालय) शीर्ष स्थान पर हैं। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि इन जिलों में बड़ी संख्या में विद्यालयों ने निपुण मानक हासिल किया है और शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के प्रयासों का ठोस असर जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। इस बार आकलन प्रक्रिया

स्मार्ट क्लास से मेधावी बन रहे छात्र, निपुण स्कूलों के शिक्षक भी होंगे सम्मानित

को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए डीएलएड प्रशिक्षुओं को जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने विद्यालयों में जाकर कक्षा 1 और 2 के छात्रों की सीखने की क्षमता का वास्तविक परीक्षण किया। निपुण भारत मॉनिटरिंग सेंटर के माध्यम से यह रिपोर्ट सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों और प्रधानाध्यापकों के पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई है। इससे न सिर्फ योगी सरकार की पारदर्शिता नीति को बल मिला है, बल्कि जवाबदेही भी तय हुई है।

फास्ट न्यूज

आगरा का व्यापारी 16 करोड़ की चांदी लेकर फरार

आगरा। आगरा के कमला नगर के शाति नगर का चांदी कारोबारी बाजार की साढे. छह कुंतल से ज्यादा चांदी हड़पकर परिवार के साथ फरार हो गया। ये चांदी हाथरस जिले के सादाबाद के 30 से अधिक कारोबारियों से ली गई थी। वर्तमान में इसकी कीमत 16 करोड़ आंकी गई है। पुलिस आयुक्त से शिकायत के बाद कारोबारी, उसकी पत्नी एवं पिता समेत सात लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

आगरा के गर्ल्स हॉस्टल में लगी आग

आगरा । आगरा यूनिवर्सिटी खंदारी कैंपस के सावित्रीबाई फुले छात्रावास में सोमवार को आग लग गई थी। लेकिन आग को समय रहते काबू पा लिया। इससे कोई भारी नुकसान नहीं हुआ है,और फिलहाल स्थिति बिल्कुल सामान्य है। जिस दिन आग लगी उससे एक हफ्ते पहले ही फायर मॉकड्रिल कराई गई थी। छात्राओं ने फायर उपकरणों से आग पर ही काबू पाया। साथ ही हिम्मत का परिचय दिया और आग को आराम से बुझा दिया। जिसकी वजह से छात्रावास में बड़ी घटना होने से खतरा टल गया। सिक्योरिटी गार्ड कविता ने बताया आग लगने से कुछ दिन पहले ही मॉकड्रिल कराई थी, जिसके चलते आग पर काबू पा लिया

कोर्ट के बाहर खड़ी पांच कारें जलीं

आगरा। दीवानी परिसर की पार्किंग में सोमवार दोपहर एक के बाद पांच कारों में आग लग गई, जिससे वादकारियों और अधिवक्ताओं में अफरातफरी मच गई। लोगों द्वारा आग की चपेट में आई कारों के पास खड़े वाहनों को सुरक्षित बकाहर निकालने के लिए होड़ मच गई। आधा घंटे तक अफरातफरी की स्थिति रही। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग को काबू किया।

अक्षय तृतीया पर बांके बिहारी मंदिर का डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। पावन अक्षय तृतीया के अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने श्री बांके बिहारी मंदिर तथा आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने श्रद्धालुओं, पर्यटकों एवं दर्शनार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत मंदिर को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों, गलियों तथा प्रवेश और निकास द्वारों का जायजा लिया। साथ ही सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की स्थिति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे, ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन सुनिश्चित हो सके।

सपा सांसद बोले- पुलिस के सामने मेरे घर हमला हुआ

कानपुर। महिला आरक्षण बिल पास न होने के विरोध में शनिवार को फतेहपुर से सपा सांसद नरेश उत्तम के कानपुर में दामोदर नगर बर्रा स्थित आवास पर हमले के बाद सपा सांसद ने दैनिक भास्कर एप से बातचीत की। सांसद ने कहा कि मेरे आवास में हमला हुआ, जिसमें लोकतंत्र कमजोर हुआ है। अगर पुलिस रोकती तो वह बर्रा चौराहे से आगे नहीं आ पाते। बिना किसी सूचना के वह आ गए।

यह हमला व अराजकता है। यह अराजकता भारतीय जनता पार्टी के केंद्र की है। राहुल गांधी व सपा कार्यालय में हमला हुआ, झंडे जलाए गए। हम महिलाओं के आरक्षण के समर्थक हैं। सांसद ने कहा कि निजी आवास में हुए हमले के मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे। दिसंबर 2025 में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने की बात लोकसभा में उठाई थी। उसी का परिणाम है कि मेरे घर पर हमला हुआ।

गर्मी से राहत पाने के लिए नहाने गए थे, गहरे पानी में डूबे

3 सगे भाई-बहनों की तालाब में डूबकर मौत

मां कुसुम बच्चों के लिए तड़प-तड़प कर रो रही है।

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़ । प्रतापगढ़ में सोमवार को तीन सगे भाई-बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। गर्मी में नहाने के लिए तालाब में गए थे। पैर फिसला और छोटा भाई गहरे गड्ढे में चला गया। उसे बचाने के लिए बड़ा भाई गया वह भी साथ में डूबने लगा। तभी साथ में गई बड़ी बहन दोनों को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, लेकिन तीनों ही पानी में डूब गए। करीब 3 घंटे तक बच्चों के वापस नहीं आने पर परिजनों ने ढूढना शुरू किया।

पड़ोस के एक व्यक्ति ने बताया की बच्चे तालाब की तरफ नहाने गए थे। जब तालाब में जाकर खोजा तो

तीनों की लाशें मिलीं। एनडीआरएफ की टीम को सूचना नहीं दी गई थी। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने तीनों बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। तीन बच्चों की मौत से मां का रो-रोक बुरा हाल है। उसे पड़ोसी व गांव वाले तसल्ली दे रहे हैं। घटना कंधई थाना क्षेत्र की है। कंजास गांव निवासी विजय पत्नी कुसुम और 4 बच्चों के साथ रहते हैं। सोमवार को रानी (12) मोहित (8) और रोहित (7) गर्मी में नहाने के लिए तालाब में चले गए थे। मां के पास 8 माह का सोहित ही रह गया था।

चार साल पहले कंजास गांव आए थे

मृतक के पिता विजय बहादुर यादव ने बताया कि वह भिक्षा मांगने गए थे। जब ग्रामीण एकत्रित दिखे तो उन्हें अनहोनी का अंदेशा हुआ। मौके पर पहुंचकर देखा तो उनके तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि उनका राशन कार्ड नहीं बना है, जिसके कारण उन्हें सरकारी राशन नहीं मिल रहा है। साथ ही, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भी उन्हें आवास नहीं मिला है। प्रतापगढ़ के कंधई क्षेत्र में तालाब में तीन बच्चों के डूबने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

गाजियाबाद पुलिस ने सीने पर गोली मारी, 2 सिपाही भी घायल

4 साल की भांजी का रेप मर्डर करने वाले का एनकाउंटर

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 4 साल की भांजी से रेप करने वाले मामा को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। रविवार रात हुई मुठभेड़ के दौरान 2 सिपाही भी घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जसीम उर्फ छोटू पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था। उसने 11 अप्रैल को भांजी का रेप और मर्डर करने के बाद डेडबॉडी को कार के नीचे फेंक दिया था।

बच्ची का परिवार हापुड़ के पिलखुआ का रहने वाला है। वर्तमान में गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र में रह रहा है।

एडिशनल DCP क्राइम पीयूष सिंह ने बताया- बदमाशों की

फायरिंग में हेड कॉन्स्टेबल अमित और इकबाल घायल हुए हैं। वहीं, सिपाही मोहित शर्मा की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली लगी है। 2 बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। उनको पकड़ने के लिए पुलिस कॉम्बिंग कर रही है। जसीम उर्फ छोटू (25) मुजफ्फरनगर के सिसौली क्षेत्र का रहने वाला था। वह गाजियाबाद के टीला थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर मजदूरी का काम करता था। उसके 2 बच्चे हैं। उसकी पत्नी और बच्चे मुजफ्फरनगर में रहते हैं। जबकि छोटू गाजियाबाद में रहकर रंगाई-पुताई का काम करता था।

मौके से तमंचे, कारतूस और 10 खोखे भी बरामद किए हैं। 20 मिनट तक बदमाश पुलिस पर फायरिंग करते रहे। पुलिस पर 15 राउंड फायरिंग की गई। मौके से मिली बाइक चोरी की है। जसीम उर्फ छोटू पहले भी मुजफ्फरनगर से आपराधिक मामले में जेल जा चुका था। उसका आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

पुलिस ने सरेंडर करने को कहा, तो कर दी फायरिंग

DCP धवल जायसवाल ने बताया- एडिशनल DCP क्राइम पीयूष सिंह को रविवार रात सूचना मिली कि जसीम गाजियाबाद के टीला मोड़ इलाके में घूम रहा है। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

इसी बीच जसीम अपने 2 साथियों के साथ बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उनसे सरेंडर करने के लिए कहा। लेकिन, जसीम और उसके साथियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। फिर दोनों बाइक से भागने लगे। पुलिस ने भी जवाब में गोलियां चलाईं। इस दौरान एक गोली जसीम के सीने में लग गई। इससे वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा।

जसीम के गिरते ही उसके दोनों साथी मौके से भाग गए।

'प्रतिभा की खोज' प्रतियोगिता का भव्य पुरस्कार वितरण समारोह

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। सिविल डिफेंस मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्या–01 द्वारा आयोजित 'प्रतिभा की खोज' नागरिक सुरक्षा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

यह आयोजन अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य के निर्देशन एवं सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव, चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल तथा डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण दास अग्रवाल एवं राजेश कुमार मित्तल उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथियों में दीपक चतुर्वेदी, दीपेश कुमार, रविंद्र बंसल, आशीष कुमार एवं जितेंद्र कुमार ने विजेताओं को प्रमाण-पत्र, शील्ड, मेडल व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम की सफलता में पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर अशोक यादव तथा डिप्टी पोस्ट वार्डन विकास सोनी के नेतृत्व में सभी वार्डनों एवं फायर फाइटरों का विशेष योगदान रहा। अंत में अशोक यादव ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर गिरीश वार्ष्णेय, प्रमोद शर्मा, कौशल किशोर, हेमंत, राजेश कुमार शिवहरे, श्याम सिंह, पवन, विनोद, कन्हैया सैनी, शुभम सिंह, अनुज, पंकज धनगर, करिश्मा, गुलशेर, देवेन्द्र कुमार, हरी नारायण अग्रवाल, आकाश, सोनू शिवहरे, लाभांश, पंकज कुमार, ओम प्रकाश, रामसती, विनोद कुमार, जितेंद्र कुमार, सुमित कुमार, दर्शन सिंह निषाद, विशाल कश्यप एवं अन्य उपस्थित रहे।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में हैं ऐसी...

वहां किसी के हक पर कोई डकैती नहीं डाल सकता। यूपी में ऐसी सड़कें हैं कि हाथ पर रखे कप से पानी नहीं छलकेगा। यूपी हाईवे स्टेट, एक्सप्रेसवे स्टेट, सर्वाधिक एयरपोर्ट वाला स्टेट, सर्वाधिक रोजगार देने वाला राज्य यूपी बन गया। जहां पहले उपद्रव होता है, वहां अब उत्सव हो रहा है।

यूपी में फिर चली ...

सरकारी योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और विकास कार्यों की निगरानी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी।इसके साथ ही कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने पर भी प्रशासन का ध्यान रहेगा। ईशा प्रिया के कार्यभार संभालने के बाद अंबेडकरनगर जिले में प्रशासनिक कामकाज की नई शुरुआत होगी। आने वाले समय में जिले में चल रही योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा तेज होने की संभावना है।

अंबेडकरनगर में ...

अब उन्हें गाजीपुर जिले की जिम्मेदारी दी गई है।गाजीपुर में उन्हें नए प्रशासनिक और विकास संबंधी कार्यों को संभालना होगा।

राजस्थान में ...

इस घटना के बाद उनका दौरा स्थगित हो गया है।

आग लगते ही पूरे इलाके को खाली करा लिया गया था और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि नुकसान और आग लगने के कारणों का आकलन बाकी है। सीएम भजनलाल शर्मा ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

सरकारी तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड यानी HPCL की यह रिफाइनरी राजस्थान में नए बने जिले बालोतरा के पचपदरा में मौजूद है। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से करीब 4500 एकड़ (7200 बीघा) में बनी रिफाइनरी में विदेशों से मंगाए जाने वाले कच्चे तेल को प्रोसेस करने और उससे अलग-अलग प्रोडक्ट तैयार करने के लिए पूरा कॉम्प्लेक्स बनाया गया है। यहां सालाना 9 मिलियन टन कच्चा तेल साफ किया जा सकता है।

HPCL रिफाइनरी के दो हिस्सों में आग लगी। इनके नाम क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (CDU) और वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (VDU) हैं। पाइप लाइन के जरिए आने वाला कच्चा तेल इन्हीं यूनिट में आता है। फिर उसे फिल्टर करके अलग-अलग यूनिट में भेजा जाता है।

राजस्थान की इस रिफाइनरी में गुजरात के मुंद्रा पोर्ट से पाइप लाइन के जरिए कच्चा तेल लाया जाएगा। मुंद्रा से इसकी दूरी करीब 487 किलोमीटर है।

पचपदरा रिफाइनरी में HPCL की 74% और राजस्थान सरकार की 26% हिस्सेदारी है। इस रिफाइनरी का काम अप्रैल 2026 में पूरा करने का लक्ष्य है, जबकि पूरी तरह पेट्रोलियम उत्पादन का टारगेट जुलाई 2026 रखा गया है।

राहुल की दोहरी ...

कर्नाटक में रहने वाले भाजपा कार्यकर्ता विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी पर भारत के साथ-साथ ब्रिटिश नागरिकता लेने का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज करने की मांग की है। उनकी याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट से खारिज हुई थी। इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के पास उन्होंने याचिका लगाई थी।

यहां से FIR का आदेश बदले जाने के बाद विग्नेश ने 18 अप्रैल को एक घंटे के भीतर X पर 2 पोस्ट किए थे। पहली पोस्ट में लिखा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में अंतिम स्थिति यह है– मामला स्वीकार किया जाता है।

विग्नेश ने केस से जुड़े सभी लोगों को चेतावनी देते हुए लिखा, 'कृपया ध्यान दें कि यदि इस मामले के स्टेटस में कोई परिवर्तन होता है, तो मैं अपना अगला ट्वीट अपलोड करूंगा और उसमें सभी माफिया, अंडरवर्ल्ड, कार्टेल, सिंडिकेट और अवैध गठजोड़ों का पर्दाफाश करूंगा।विग्नेश की दूसरी पोस्ट में कोर्ट का स्टेटस बदलने का जिक्र है। उन्होंने रिश्वत लेने का जिक्र करते हुए लिखा कि कृपया उनसे ली गई धनराशि वापस कर दें। अन्यथा मैं इंटरसेप्ट की गई कॉल को सीधे ट्विटर पर अपलोड कर दूंगा। पूरी तरह तैयार रहें। आपको स्थायी रूप से जेल जाना होगा।

विग्नेश ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम नहीं लिया है। किसकी इंटरसेप्ट कॉल है, किसने धनराशि दी है, इसका भी सीधे-सीधे जिक्र नहीं है।

केजरीवाल को ...

क्या अब यह हो सकता है कि जजों को वादकारी द्वारा तय अतिरिक्त परीक्षा पास करनी पड़े कि वे मामले की सुनवाई के योग्य हैं? क्या उन्हें वादकारी द्वारा बनाए गए मानकों के आधार पर पहले खुद को साबित करना होगा? ऐसे में जजों को यह भी साबित करना पड़ेगा कि उन्होंने किसी संगठन के कार्यक्रम में भाग नहीं लिया या उनके परिवार के सदस्य विधि पेशे में नहीं हैं। अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता हेगड़े के 'अग्निपरीक्षा' वाले तर्क का संज्ञान लिया, लेकिन सवाल उठाया कि केवल प्रतिकूल परिणाम के डर से किसी आरोपी के कहने पर जज को ऐसी परीक्षा से क्यों गुजरना चाहिए। अदालत ने कहा कि आरोपी अपनी बेगुनाही साबित कर सकता है, लेकिन उसे यह अनुमति नहीं दी जा सकती कि वह जज को पक्षपाती साबित करने की कोशिश करे। अदालत ने कहा कि जब किसी मौजूदा जज पर आरोप लगाए जाते हैं, तब भी वही निष्पक्षता लागू होनी चाहिए।

कैच-22 रणनीति...

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि इस मामले में मुझे ऐसी स्थिति में रखा गया है कि यदि मैं खुद को अलग करती हूं तो क्या होगा और यदि नहीं करती हूं तो क्या होगा। अगर उसे राहत नहीं मिलती है, तो वह कहेगा कि उसने पहले ही परिणाम का अनुमान लगा लिया था। अगर उसे राहत मिलती है, तो वह कह सकता है कि अदालत ने दबाव में आकर फैसला किया। वादकारी स्थिति को अपने पक्ष के अनुसार पेश कर सकता है।

'विजन इंडिया समिट'...

भुवनेश्वर में आयोजित तीसरा समिट "होलिस्टिक हेल्थ" यानी समग्र स्वास्थ्य पर केंद्रित रहा।

अखिलेश यादव ने कहा, "स्वास्थ्य केवल बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि शरीर, मन और पर्यावरण के संतुलन का नाम है।" इस दौरान विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य, फिटनेस और सामाजिक वातावरण के प्रभाव पर अपने विचार रखे। अखिलेश यादव ने समिट के दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे "विभाजन की राजनीति" के खिलाफ हैं और सकारात्मक, विकासोन्मुख राजनीति को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने AI के दुरुपयोग, साइबर फ्रॉड और डीपफेक जैसे खतरों को लेकर भी चिंता जताई और इसके लिए ठोस राष्ट्रीय नीति बनाने की आवश्यकता बताई।

'मोदी झूठों के...

उन्होंने कहा- अरे ये पश्चिम बंगाल रबींद्रनाथ टैगोर की जमीन है। बाबर की जमीन नहीं है। लेकिन ममता दीदी के कारण कोई लफंगा भी आकर बोल सकता है कि बाबर की मस्जिद बनाऊंगा। असम में ये बोलकर देखो। तुरंत थाने जाना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया कि वे चुनाव प्रचार के लिए सरकारी मशीनरी, रेल और प्लेन जैसी सुविधाओं का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को परेशान किया जा रहा है। कल झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का हेलीकॉप्टर 40 मिनट तक रोका गया।

महंगाई और बिल पर धोखाः चुनाव के बाद गैस के दाम बढ़ने की चेतावनी दी और दावा किया कि महिला आरक्षण बिल के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। BJP को बताया 'गुंडों का गैंग': पुराने अपराधी और CPM के लोग अब BJP में शामिल होकर नेता बन गए हैं। पुलिस पर भी केंद्र का नियंत्रण होने का दावा किया।

कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारीः चुनाव से पहले दिल्ली के इशारे पर TMC कार्यकर्ताओं को बेवजह गिरफ्तार किया जा रहा है।

भारत को 8 विकेट से हराया ■ लौरा वोल्वार्ट-सुने लूस की शतकीय साझेदारी

साउथ अफ्रीका विमेंस टीम की दूसरे टी-20 में जीत

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला टीम को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डरबन में खेले गए इस मुकाबले में शेफाली वर्मा के अर्धशतक के बावजूद मिडिल और लोअर ऑर्डर के फ्लॉप प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही। साउथ अफ्रीका ने 148 रन का टारगेट 17.1 ओवर में केवल 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही साउथ

अफ्रीकी टीम ने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान लौरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की शानदार पार्टनरशिप की, जिसने भारत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। शेफाली ने मैच की चौथी ही गेंद पर छक्का जड़ा और सेखुखुने के दूसरे ओवर की शुरुआती 3 गेंदों पर 14 रन बटोरे। हालांकि, उन्हें 28 के निजी स्कोर पर जीवनदान भी मिला, जिसका फायदा उठाकर उन्होंने 31 गेंदों में करियर की 15वीं फिफ्टी पूरी की। वह 57 रन बनाकर म्लाबा की गेंद पर आउट हुईं।

■ शेफाली वर्मा ने 57 रन की पारी खेली।

शेफाली के 57 रन, फिर 48 रन पर 8 विकेट गिरे

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही थी। 13वें ओवर तक टीम का स्कोर 2 विकेट पर 99 रन था और वह 160 से अधिक के स्कोर की ओर बढ़ रही थी, लेकिन इसके बाद बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई। भारत ने महज 48 रन के भीतर अपने आखिरी 8 विकेट गंवा दिए। शेफाली वर्मा ने 57 रनों की पारी खेली, जबकि डेब्यू कर रही अनुष्का शर्मा ने 28 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका।

> **148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम को लॉरा वोल्वार्ट और सुने लूस ने ठोस शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 106 रनों की साझेदारी की। वोल्वार्ट ने अपनी 15वीं टी-20 फिफ्टी लगाई, वहीं लूस ने पिछली 10 पारियों में अपना पहला अर्धशतक जड़ा। हालांकि, दोनों जीत से पहले आउट हो गईं, लेकिन ताजमिन ब्रिट्स और एनेरी डर्कसन ने 17 गेंद शेष रहते टीम को जीत दिला दी।**

शेफाली ने 100वें मैच में लगाई फिफ्टी

22 साल की शेफाली वर्मा ने इस मैच के साथ ही अपने 100 टी-20 इंटरनेशनल मैच पूरे कर लिए। उन्होंने 15 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने इस माइलस्टोन मैच में उन्होंने आक्रामक बैटिंग की।

आईपीएल 2026 के बीच पत्नी अनुष्का संग वृंदावन पहुंचे विराट

5 महीनों में तीसरी बार लिया प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन कर रहे आरसीबी के दिग्गज बैटर विराट कोहली का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आईपीएल के बीच किंग कोहली पत्नी अनुष्का के साथ अक्षय तृतीया पर वृंदावन में प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम पहुंचे थे। कोहली के एक फैन पेज ने इसका वीडियो शेयर किया है। इस दौरान दोनों ने प्रेमानंद जी महाराज के श्रीहित राधा केली कुंज आश्रम में दर्शन किए और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया।

दरअसल, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने वृंदावन के 'श्री हित राधा केलि कुंज' आश्रम जाकर प्रेमानंद जी महाराज का आशीर्वाद लिया। वहां उन्होंने महाराज जी के साथ 'एकांतिक वार्तालाप' (निजी आध्यात्मिक चर्चा) में भाग लिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कपल को आम श्रद्धालुओं के

बीच बैठकर शांति से गुरु के प्रवचन सुनता देखा गया। अक्षय तृतीया के खास अवसर पर एक खास कार्यक्रम में शामिल होकर विरुष्का ने भक्ति भाव से आशीर्वाद लिया। इस दौरान एक वीडियो में किंग कोहली को गले में तुलसी की माला पहने हुए देखा जा रहा है, जबकि अनुष्का शर्मा सफेद रंग के संपल सूट में नजर आईं। हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में विराट ने 19 रन बनाए थे। अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) का अगला मुकाबला 24 अप्रैल को गुजरात टाइटंस (GT) से है। इस बीच मिले कुछ दिनों के ब्रेक का इस्तेमाल विराट ने मानसिक शांति और भक्ति के लिए किया।

मारियो अमेरिका के महान रेसर 'औसत' होने से थी नफरत

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हराने पर फोकस, संतुष्ट होने के बजाय खुद को चुनौती देते रहे

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के महानतम रेसर्स में से एक और 86 वर्षीय मारियो एंड्रेटी फॉर्मूला-1 में ड्राइवर्स चैम्पियनशिप जीतने वाले मात्र दो अमेरिकियों में से एक हैं। इसके अलावा उन्होंने इंडियानापोलिस 500 और डायटोना 500 जैसे मोटर रेसिंग के सबसे प्रतिष्ठित खिताब भी जीते हैं। मारियो की यह कहानी हर उस इंसान के लिए एक बड़ा सबक है, जो अपने जीवन या करियर में शिखर पर पहुंचना चाहता है।

मारियो अपनी सफलता का सबसे बड़ा राज अपनी सोच को मानते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे औसत होने से नफरत है। या यूं कहें कि मैं इसका बिल्कुल सम्मान नहीं करता, क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है। इसमें कोई स्ट्रेस नहीं है।' जब उन्होंने रेसिंग के टॉप लेवल पर कदम रखा, तो उनका लक्ष्य सिर्फ हिस्सा लेना

नहीं था, बल्कि उन दिग्गजों को हराना था जो उस समय शिखर पर थे। शुरुआती दिनों का एक किस्सा साझा करते हुए मारियो बताते हैं- उस दौर के महानतम रेसर्स में से एक ए.जे. फोयट थे। वे मारियो से पांच साल बड़े और एक स्थापित चैम्पियन थे। मारियो के क्रू चीफ ने उनसे कहा था कि मारियो, बस कार को सुरक्षित वापस ले आओ। फोयट को हराने के बारे में सोचना भी मत। लेकिन मारियो ने सोचा कि अगर वे उन्हें हरा ही नहीं सकते, तो वे इस रेस में कर क्या रहे हैं? मारियो ने हार नहीं मानी। उन्होंने सीधे टॉप पर पहुंचने का लक्ष्य रखा और जब उन्होंने फोयट को हराया, तो वह उनके लिए जीवन की सबसे बड़ी संतुष्टि का पल था।

इंडिकार के टॉप लेवल के अपने पहले ही साल में मारियो नेशनल चैम्पियनशिप जीतने वाले सबसे कम उम्र के ड्राइवर बन गए थे। कई लोगों ने कहा कि यह महज उनकी किस्मत थी। मारियो ने इसे एक नई चुनौती के रूप में लिया। उन्होंने एक और चैम्पियनशिप जीती, फिर दो बार दूसरे स्थान पर रहे और फिर एक और खिताब जीता।

पंजाब ने आईपीएल 2026 का बेस्ट स्कोर बनाया, लखनऊ ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदला

मार्करम के ओवर में 5 छक्के लगे

नई दिल्ली। IPL के 29वें मैच में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। मुल्लांपुर में PBKS ने 19वें सीजन का बेस्ट स्कोर बनाया। LSG ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदला। वहीं ऐडन मार्करम ने एक ओवर में 32 रन खर्च कर दिए, उनके ओवर में प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने 5 छक्के लगाए।

प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की पार्टनरशिप की। यह इस सीजन की बेस्ट पार्टनरशिप रही। इससे पहले मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ने 148 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी। दोनों ने कोलकाता के खिलाफ यह रन बनाए थे। प्रियांश और कोनोली ने अपनी पार्टनरशिप में मिलकर 16 छक्के लगाए। PBKS से IPL इतिहास में

तीसरी बार ही 150 प्लस रन की पार्टनरशिप हुई। इससे पहले केएल राहुल और मयंक अग्रवाल ने 183 रन जोड़े थे। वहीं 2011 में एडम गिलक्रिस्ट और शॉन मार्श 206 रन की साझेदारी कर चुके हैं। पंजाब किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 254 रन बनाए। यह 19वें IPL सीजन का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले बेंगलुरु ने चेन्नई के खिलाफ 250 रन बनाए थे। RCB की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी 240 रन बना चुकी है।

पंत ने डीआरएस नहीं लिया, विकेट का मौका गंवाया

दूसरे ओवर में पंजाब के कूपर कोनोली LBW होने से बच गए। मोहसिन खान की फुल लेंथ गेंद पर कोनोली फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन चूक गए और गेंद उनके पैड्स से टकरा गई। LBW की अपील हुई, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नॉटआउट करार दिया।

पंत ने काफी सोचने के बाद भी रिव्यू नहीं लिया। रिप्ले से पता चला कि बॉल लेग स्टंप पर लग रही थी, अगर वे रिव्यू ले लेते तो विकेट मिल जाता। कोनोली ने इसका फायदा उठाया और 87 रन की पारी खेल दी।

मार्करम ने 32 रन का ओवर फेंका

13वें ओवर में कूपर कोनोली ने ऐडन मार्करम के खिलाफ लगातार 3 छक्के लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर छक्के लगाए। इसी ओवर में प्रियांश आर्या ने आखिरी दो बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। मार्करम के इस ओवर में 32 रन बने। मार्करम LSG के लिए एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले बॉलर भी बन गए। उनसे पहले 2022 में रवि बिश्नोई ने RCB के खिलाफ 27 रन खर्च किए थे।

मनोरंजन

'पति पत्नी और वो दो' में 3 एक्ट्रेसेस से रोमांस करेंगे आयुष्मान, पहले पोस्टपोन हो चुकी मूवी

साल की 6वी सीक्वल फिल्म का टीजर रिलीज

नई दिल्ली। आयुष्मान खुराना, सारा अली खान, रकुल प्रीत और वामिका गब्बी स्टारर फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज हो गया है। मुदस्सर अजीज के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म जबरदस्त कॉमेडी और कन्फ्यूजन से भरी नजर आ रही है।

यह इस साल की 6वी सीक्वल फिल्म होगी। इससे पहले बॉर्डर 2, मर्दानी 3, वध 2, द केरला स्टोरी 2, गिनी वेड्स सनी जैसी फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। हालांकि बॉर्डर 2 के अलावा इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं कर

पाई। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि इससे पहले ये होली के मौके पर 4 मार्च को रिलीज होनी थी। लेकिन पोस्ट प्रोडक्शन में देरी के कारण इसे पोस्टपोन करना पड़ा था। मेकर्स ने पहले इस फिल्म को होली के मौके पर 4 मार्च 2026 को रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, अब इसकी रिलीज को टाल दिया गया है। नई घोषणा के मुताबिक, फिल्म अब 15 मई 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी। फिल्म को टी-सीरीज और बीआर स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। इसके प्रोड्यूसर भूषण कुमार और रेणु रवि चोपड़ा हैं, जबकि जूनो चोपड़ा फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं।

> **“ सीक्वल में इस बार आयुष्मान खुराना की एंट्री से फैंस काफी एक्साइटेड हैं। आयुष्मान अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए जाने जाते हैं। फिल्म में सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के साथ उनकी केमिस्ट्री देखना दिलचस्प होगा। मेकर्स का दावा है कि इस बार कहानी में कई फ्रेश ट्विस्ट और मजेदार सिचुएशंस होंगी, जो पिछली फिल्म से काफी अलग और बड़ी होंगी।**

तीन एक्ट्रेसेस के बीच फंसे आयुष्मान

टीजर में आयुष्मान खुराना 'प्रजापति पांडे' के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस बार उनकी लाइफ में कन्फ्यूजन का लेवल काफी ज्यादा है। आयुष्मान एक या दो नहीं, बल्कि तीन महिलाओं के बीच फंसे हुए हैं। फिल्म में सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में हैं। टीजर में विजय राज एक पुलिस वाले के रोल में दिख रहे हैं, जो कॉमेडी को और बढ़ा रहे हैं।

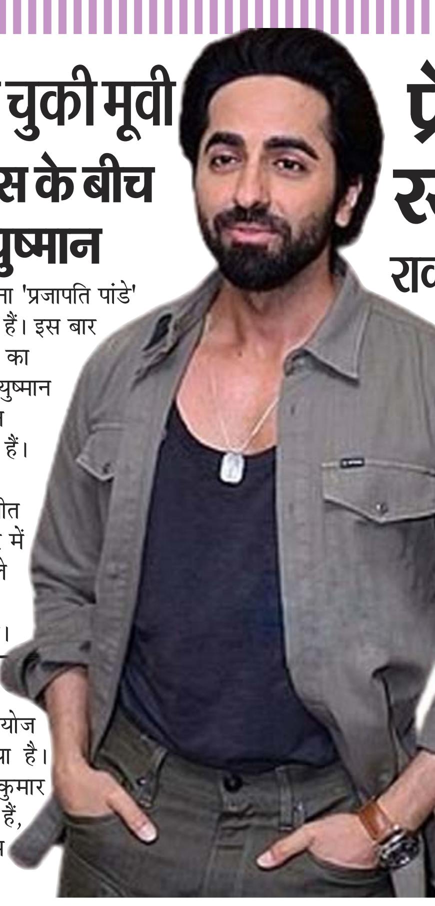

प्रेग्नेंसी में भी काम जारी रखेंगी दीपिका पादुकोण

राका फिल्म के एक्शन सीक्वेंस शूट करेंगी

नई दिल्ली। बॉलीवुड कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह जल्द ही दूसरी बार माता-पिता बनने वाले हैं। खास बात यह है कि इस अवस्था में भी दीपिका अपने काम से ब्रेक नहीं लेंगी और आने वाली फिल्मों की शूटिंग जारी रखेंगी।

रविवार को दीपिका ने सोशल मीडिया पर अपनी बेटी 'दुआ' के साथ एक फोटो शेयर कर अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, दीपिका अपनी प्रेग्नेंसी के बीच भी प्रोफेशनल जिम्मेदारियों को पूरी अहमियत दे रही हैं। फिलहाल वे फिल्म 'राका' की शूटिंग कर रही हैं। सोर्स ने बताया, दीपिका फिल्म 'राका' के लिए कुछ इंटेंस एक्शन सीक्वेंस शूट कर रही हैं। वे अपनी पूरी प्रेग्नेंसी के दौरान इस फिल्म की शूटिंग जारी रखेंगी। दीपिका ने इंस्टाग्राम पर एक कोलाज या सिंगल फोटो के बजाय एक बेहद ही सिंपल और प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसमें उनकी बेटी दुआ पादुकोण सिंह ने एक प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़ी हुई है। फोटो में रणवीर और दीपिका के हाथ अपनी बेटी को थामे हुए नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए दीपिका ने कैप्शन में किसी शब्द का इस्तेमाल नहीं किया, बल्कि सिर्फ बुरी नजर से बचाने वाला (Evil Eye) इमोजी लगाया है।

पैपरजी से बोलीं- क्या बक रहे हो तुम, मुंबई में रेस्टोरेंट के बाहर हुआ विवाद

मम्मा कहने पर भड़कीं श्रुति हासन

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और सिंगर श्रुति हासन हाल ही में मुंबई में पैपरजी पर बुरी तरह भड़क गईं। यह वाकया एक रेस्टोरेंट के बाहर हुआ, जहां श्रुति डिनर के लिए पहुंची थीं। शख्स ने उन्हें 'मम्मा' कहकर बुलाया, ये सुनते ही श्रुति का पारा चढ़ गया और उन्होंने तुरंत वहां अपना गुस्सा उतार दिया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो श्रुति हासन आने वाले समय में कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा हैं। वे फिल्म 'Aakasamlo Oka Tara' में दुलकर सलमान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा चर्चा 'सलार पार्ट 2' की है, जिसमें वे प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ दोबारा स्क्रीन शेयर करेंगी।

श्रुति ओटीटी पर भी डेब्यू कर चुकी हैं और जल्द ही अनन्या पांडे की वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन में एक अहम रोल में दिखाई देंगी।

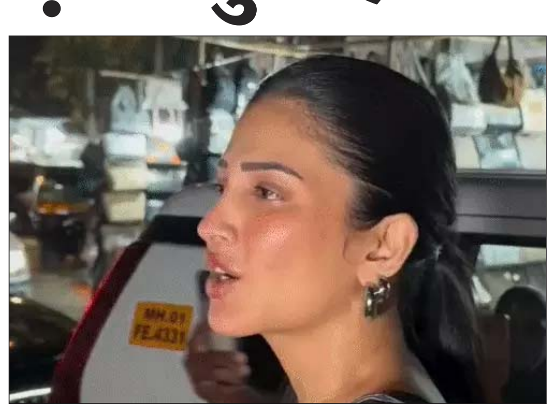

श्रुति बोलीं- क्या बक रहे हो तुम

घटना के वीडियो में श्रुति हासन जब रेस्टोरेंट से बाहर निकलकर अपनी कार की तरफ बढ़ रही थीं, तभी वहां मौजूद फोटोग्राफर्स ने उन्हें कवर करना शुरू कर दिया। इसी बीच भीड़ में से किसी ने उन्हें 'मम्मा' कहा। श्रुति इसी बात पर बिफर गईं।

वीडियो में श्रुति काफी गुस्से में नजर आ रही हैं। उन्होंने तुरंत पैपरजी की तरफ मुड़कर पूछा, ₹कौन है मम्मा? तुम्हारी मम्मा है? क्या बक रहे हो तुम?₹ इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी कार चेक की और बिना पोज दिए तुरंत वहां से निकल गईं।

बातचीत : सोनम बाजवा की पंजाबी सिंगर से नोकझोंक

पीबीकेएस बनाम एलएसजी के बीच आईपीएल मैच के दौरान मिले

■ एक्ट्रेस बोलीं- मैं तुहाडे नाल गल नहीं करनी

लुधियाना, एजेंसी

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादविंदर सिंह स्टेडियम में रविवार को पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपरजाइंट्स के बीच खेले गए IPL मुकाबले को देखने एक्ट्रेस सोनम बाजवा और पंजाबी सिंगर जी खान भी पहुंचे। इस दौरान दोनों की मुलाकात हुई, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में दोनों आपस में बात कर रहे हैं और एक-दूसरे से शिकायत भी कर रहे हैं। इस दौरान सोनम बाजवा को कहते हुए सुना गया- मैं तुहाड्डे नाल गल नहीं करनी (मुझे आपसे बात ही नहीं करनी)।

जी खान की एकतरफा टिप्पणियों और बयानबाजी के बाद यह पहला मौका था जब सोनम बाजवा ने सार्वजनिक रूप से जी खान के साथ मजाकिया अंदाज में इस तरह कोई बात कही है। इससे पहले जी खान अपने शोज और इंटरव्यूज के दौरान सोनम बाजवा को लेकर कमेंट्स और एकतरफा तारीफ करते रहे हैं। वह सोनम बाजवा को अपना क्रश बता चुके हैं। सोनम बाजवा और जी खान के बीच ऑफिशियल किसी

रोमांटिक रिलेशन की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, कई मीडिया इंटरव्यू और अपने कॉन्सर्ट्स के दौरान जी खान सोनम बाजवा को लेकर कमेंट क चुके हैं और उन्हें अपना क्रश भी बता चुके हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग दोनों का नाम आपस में जोड़ने लगे हैं। 2 महीने पहले CT यूनिवर्सिटी में एक शो के दौरान जी खान जब स्टेज पर आए तो फैंस ने सोनम बाजवा का नाम लेकर चिल्लाना शुरू कर दिया।

तेल-गैस सप्लाई रुकी, फैक्ट्रियां ठप, आर्थिक दबाव में कई देश, एक्सपर्ट बोले- ये आर्थिक संकट सुनामी जैसा

ईरान युद्ध से धीमी हुई एशिया की रफ्तार

संकट

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

ईरान में 28 फरवरी से शुरू हुआ युद्ध एशिया-प्रशांत इलाके पर उम्मीद से कहीं ज्यादा तेजी से और ज्यादा असर डाल रहा है। शुरुआत में लगा था कि तेल और गैस की कमी का असर धीरे-धीरे दिखेगा, लेकिन हकीकत में कई देशों की अर्थव्यवस्था और आम जिंदगी पर अचानक बड़ा झटका लगा है। कई विशेषज्ञ इसकी तुलना कोविड जैसे बड़े संकट से कर रहे हैं। भले ही जल्द शांति समझौता हो जाए, लेकिन इस पूरे क्षेत्र पर इसका असर लंबे समय तक रहने वाला है। आने वाले महीनों में उड़ानें रद्द होने, खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने, फैक्ट्रियों के रुकने, सामान की सप्लाई में देरी और बाजारों में रोजमर्रा की चीजों की कमी देखने को मिल सकती है। इसमें प्लास्टिक बैग, इंस्टेंट नूडल्स, वैक्सीन, सिरिंज, लिपस्टिक, माइक्रोचिप और स्पोर्ट्सवियर जैसी चीजें भी शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर मिडिल ईस्ट के रास्तों से व्यापार कुछ और हफ्तों तक बाधित रहा, तो कई देशों में हालात बिगड़ सकते हैं, अशांति फैल सकती है और मंदी आ सकती है। कई कंपनियां दिवालिया होने के कगार पर हैं और सरकारें महंगाई को काबू में रखने के लिए भारी कर्ज ले रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, साल के अंत तक एशिया में लाखों लोग गरीबी में जा सकते हैं। वियतनाम के किसान, भारत के मजदूर, श्रीलंका के होटल मालिक, फिलीपींस के ड्राइवर और हांगकांग-सिंगापुर के कारोबारी सबकी चिंता बढ़ी हुई है। कई सरकारें बाहर से शांत दिखने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अंदर ही अंदर हालात संभालना मुश्किल हो रहा है।

तेहरान की एक बिल्डिंग पर होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण बनाए रखने के ईरानी इरादे को दिखाता एक म्यूरल।

चीन जैसे अमीर देशों पर असर थोड़ा कम होगा क्योंकि उनके पास ज्यादा संसाधन हैं, लेकिन बाकी एशिया में हालात ज्यादा खराब हैं। कई देशों की असली स्थिति उतनी अच्छी नहीं है जितनी दिखाई जा रही है।

ढाका की एक गार्मेंट फैक्ट्री में काम करती महिलाएं। ईरान युद्ध के कारण उत्पादन और शिपमेंट में बड़े स्तर पर बाधाएं देखी जा रही हैं।

संकट में ट्रांसपोर्ट सेक्टर, सप्लाई खतरे में

ट्रांसपोर्ट सेक्टर में भारी संकट आ गया है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होते ही एशिया में ट्रक, जहाज और विमान प्रभावित होने लगे। मार्च में दुनिया भर में 92,000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुईं, जो पहले के मुकाबले दोगुनी हैं, और इसका सबसे ज्यादा असर एशिया-प्रशांत में दिखा। मिडिल ईस्ट के रास्ते उड़ान भरने वाली एयरलाइंस ने दुबई जैसे बड़े हब के लिए उड़ानें तुरंत रोक दीं। जेट फ्यूल की कीमत लगभग दोगुनी हो गई और सप्लाई भी खतरे में पड़ गई, जिससे एयरलाइंस ने कई रूट बंद कर दिए। क्वांटस, एयर न्यूजीलैंड, लायन एयर, वियेटजेट, एयरएशिया, एयर इंडिया और कैथे पैसिफिक जैसी कई कंपनियों ने सेवाएं कम की हैं। मलेशिया की बाटिक एयर ने तो 35% उड़ानें घटा दीं ताकि दिवालिया होने से बच सके।

भारत से श्रीलंका तक आर्थिक संकट का खतरा

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुताबिक, दुनिया की अर्थव्यवस्था लगभग हर जगह धीमी हो रही है क्योंकि दुनिया के करीब 20% तेल की सप्लाई बाजार से बाहर हो गई है। मिडिल ईस्ट से आने वाला तेल-गैस रुकने से पूरे एशिया की सप्लाई चेन हिल गई है।

एशिया-प्रशांत पर सबसे ज्यादा असर इसलिए पड़ा क्योंकि यह क्षेत्र मिडिल ईस्ट के तेल और गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है, यहां की अर्थव्यवस्था आपस में गहराई से जुड़ी है और पहले से ही ऊर्जा की मांग ज्यादा थी जबकि सप्लाई कम पड़ रही थी। यहां तक कि अगर होर्मुज की समस्या कल ही ठीक भी हो जाए तो भी तेल और गैस की सप्लाई को पहले जैसे स्तर पर आने में सालों लग सकते हैं।

एटोक (फिलीपींस) में एक किसान अपने गोभी के खेत को देखता हुआ। किसान ने फसल काटने से इनकार कर दिया। उसका कहना है कि डिलीवरी के लिए बढ़ती ईंधन लागत के कारण घाटे में फसल बेचने से बेहतर है कि वह इसे खेत में ही सड़ने दे। तस्वीर मार्च की है।

फास्ट न्यूज

यूरोप का मोस्ट वॉन्टेड गैंग लीडर दुबई में गिरफ्तार?

नई दिल्ली। कई सालों तक फरार रहने के बाद यूरोप के सबसे बड़े अपराधियों में गिने जाने वाले गैंग लीडर को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। डेनियल किनाहन को दुबई में एक संयुक्त अभियान के दौरान पकड़ा गया। यह कार्रवाई आयरलैंड और संयुक्त अरब अमीरात की एजेंसियों ने मिलकर की। दुबई पुलिस ने एक 'आयरिश फरार अपराधी' की गिरफ्तारी की पुष्टि की, हालांकि नाम नहीं बताया गया।

सेंसेक्स 27 अंक चढ़कर 78,520 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी सोमवार, 20 अप्रैल को मामूली बढ़त रही। संसेक्स 27 अंक की तेजी के साथ 78,520 पर बंद हुआ। निफ्टी में 11 अंक की बढ़त रही, ये 24,365 के स्तर पर बंद हुआ। आज बैंकिंग, मीडिया और ऑटो शेयर्स में खरीदारी रही।

इससे पहले शुक्रवार यानी 17 अप्रैल को सेंसेक्स 505 अंक (0.65%) की तेजी के साथ 78,494 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 157 अंकों (0.65%) की तेजी रही थी, ये 24,354 पर बंद हुआ था।

फिशिंग गैंग पर बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसे अमेरिका की जांच एजेंसी FBI (फेडरल ब्यूरो ऑफ इनवेस्टिगेशन) और इंडोनेशिया की पुलिस ने मिलकर तोड़ा है। इस पूरे ऑपरेशन का केंद्र 'W3LL' नाम का एक खास टूल था, जिसकी मदद से अपराधी नकली लॉगिन पेज बनाकर लोगों से उनके यूजरनेम और पासवर्ड हासिल कर लेते थे। एफबीआई के अधिकारियों ने बताया कि यह सिर्फ साधारण फिशिंग नहीं, बल्कि एक पूरा साइबर क्राइम प्लेटफॉर्म था, जिसका इस्तेमाल दुनिया भर में किया जा रहा था।

चांदी आज 1,214 बढ़कर 2.51 लाख पर पहुंची

सोना 347 बढ़कर 1.52 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल 19 हजार हो चुका

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 20 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 347 रुपए बढ़कर 1.52 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, एक किलो चांदी 1,214 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19 हजार रुपए और चांदी 21 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.52 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- **मैग्नेट टेस्टः** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्टः** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- **स्मेल टेस्टः** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- **क्लॉथ टेस्टः** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

3 मीटर तक सुनामी लहरे आने की आशंका, लोगों से ऊंचे इलाकों में जाने की अपील

7.5 तीव्रता का जापान में भूकंप

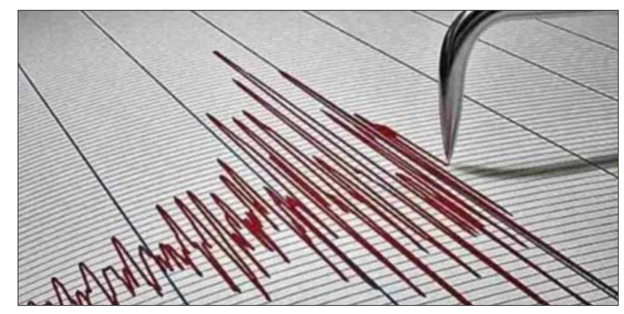

टोक्यो, एजेंसी

जापान में सोमवार को 7.5 रिक्टर तीव्रता का जोरदार भूकंप आया। इसके बाद तटीय क्षेत्रों में सुनामी चेतावनी जारी कर दी गई है। जापान मौसम एजेंसी (JMA) के मुताबिक, इवाते प्रांत और होक्काइडो और आओमोरी के कुछ हिस्सों में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की आशंका जताई गई है।

भूकंप इवाते प्रिफेक्चर के सानरिकु तट के पास भारत के समयानुसार दोपहर 1:23 बजे आया। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में इसकी तीव्रता जापानी पैमाने पर ऊपरी 5 दर्ज की गई। न की मौसम एजेंसी के मुताबिक, इवाते के कुजी पोर्ट पर 80 सेंटीमीटर की सुनामी लहर टकराई और पानी बढ़ रहा है। मियाको पोर्ट पर 40 सेंटीमीटर की लहर आई। आओमोरी के हाचिनोहे पोर्ट पर 30 सेंटीमीटर लहर दर्ज हुई। होक्काइडो के उराकावा टाउन और मियागी के इशिनोमाकी आयुकावा में 20 सेंटीमीटर तक की लहरें दर्ज की गईं। टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी (TEPCO) ने कहा कि फुकुशिमा दाइची और फुकुशिमा दाइनी न्यूक्लियर प्लांट्स में कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई। दोनों साइट्स के आसपास रेडिएशन स्तर सामान्य है।

वहीं, तोहोकू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने भी आओमोरी के हिगाशिदोरी और मियागी के ओनागावा न्यूक्लियर प्लांट्स में किसी असामान्यता से इनकार किया।

अधिकारियों ने लोगों से तुरंत ऊंचे इलाकों में जाने और तट तथा नदियों से दूर रहने की अपील की है। राहत और आपात सेवाएं हालात पर नजर बनाए हुए हैं और संभावित नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

रेल सेवा रोकी गई

भूकंप के झटके रिकॉर्ड होने के बाद तोहोकू शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवा को टोक्यो स्टेशन और शिन-आओमोरी स्टेशन के बीच अस्थायी रूप से रोका गया। ऑपरेटर ने बताया कि सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाया गया।यामागाता और अकिता शिंकानसेन सेवाएं भी बंद की गईं। इवाते प्रिफेक्चर में सभी लोकल JR ट्रेन सेवाएं रोकी गईं। होक्काइडो में कुछ लोकल लाइनें भी बंद हैं।

शिन-चितोसे और सेंडाई एयरपोर्ट के ऑपरेटरों ने कहा कि भूकंप के बावजूद उनकी सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा।

सभी की उम्र 1 से 11 साल थी, पत्नी को भी गोली मारी, हालत गंभीर

अमेरिका : शख्स ने अपने 7 बच्चों समेत 8 की हत्या की

लुइसियाना, एजेंसी

अमेरिका के लुइसियाना राज्य के श्रेवेपोर्ट शहर में एक शख्स ने 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक इनमें से 7 उसके ही बच्चे थे। अमेरिका में इस साल की यह सबसे बड़ी मास शूटिंग की घटना मानी जा रही है।

CNN के मुताबिक यह घटना रविवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय के मुताबिक) वेस्ट 79वीं स्ट्रीट के 300 ब्लॉक में हुई। आरोपी का नाम शमार एल्किंस (31 साल) है। पुलिस ने बताया कि 7 बच्चों को घर के अंदर गोली मारी गई, जबकि एक बच्चे को छत पर गोली लगी, जब वह जान बचाने के लिए भागने की कोशिश कर रहा था।

हमले में असॉल्ट-स्टाइल हथियार का इस्तेमाल किया गया। इसे घरेलू विवाद से जुड़ा मामला बताया जा रहा है।

आरोपी ने सबसे पहले अपनी पत्नी को गोली मारी। इसके बाद वह दूसरे घर गया, जहां उसने आठ बच्चों और एक अन्य महिला को गोली मारी। दूसरी महिला, जो मारे गए आठवें बच्चे की मां थी, उसकी हालत भी बेहद गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी 31 साल का शमार एल्किंस था, जो मौके से भाग गया था। उसने बंदूक की नोक पर एक कार लूटकर भागने की कोशिश की, लेकिन पीछा करने के दौरान पुलिस की गोली लगने से उसकी मौत हो गई।

मारे गए बच्चों के साथ आरोपी शमार एल्किंस। (फाइल फोटो)

आरोपी ने पत्नी को भी गोली मारी, हालत गंभीर

पुलिस ने मृतकों की पहचान जयला एल्किंस (3), शायला एल्किंस (5), कायला प्यू (6), लैला प्यू (7), मरकेडॉन प्यू (10), सारियाह स्नो (11), खेडारियन स्नो (6) और ब्रेलॉन स्नो (5) के रूप में की है। इस हमले में 13 साल का लड़का भी घायल हुआ, जो जान बचाने के लिए घर से भागा और छत से कूद गया। श्रेवेपोर्ट पुलिस के मुताबिक मारे गए बच्चों में तीन लड़के और पांच लड़कियां थीं, जिनकी उम्र 3 से 11 साल के बीच थी। इनमें सात सगे भाई-बहन और एक उनका कजिन था। हमले में दो महिलाएं भी घायल हुईं, जिनमें से एक आरोपी की पत्नी है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

कनाडा में पंजाबी टीवी होस्ट को 5.5 साल जेल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी

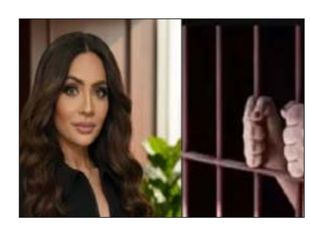

कनाडा में पिछले 10 साल से पंजाबी रेडियो और टीवी होस्ट के रूप में काम कर रही 47 वर्षीय सुखविंदर कौर संघा को ड्रग्स तस्करी के मामले में 5.5 साल की सजा सुनाई गई है। वह 2021 में अमेरिका से मेथ की तस्करी करते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई थीं। अदालत का यह फैसला तब आया जब उन्होंने अपने अपराध को स्वीकार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, तस्करी की जा रही ड्रग्स की कीमत 1 मिलियन से 10 मिलियन डॉलर के बीच आंकी गई थी। वहीं, उनके वकील ने दावा किया कि संघा ने यह अपराध मजबूरी में किया था, क्योंकि किसी ने उनके बेटे को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी और उनसे 1.5 लाख डॉलर की मांग की गई थी। अभियोजन पक्ष ने 10 से 12 साल की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने दो साल की नजरबंदी और तीन साल की प्रोबेशन की मांग की थी। 18 अक्टूबर 2021 को संघा फ्लोरिडा नंबर प्लेट वाली किराए की कार से अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पार कर रही थीं। उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वह वाशिंगटन में अपनी मौसी के अंतिम संस्कार में गई थीं। जब अधिकारियों ने कार की जांच के लिए उन्हें रोकने को कहा, तो उन्होंने गाड़ी भगा दी। इसके बाद एक अन्य अधिकारी ने पीछा किया और उन्हें रोकने में सफल रहा। जांच में कार से ड्रग्स से भरे बैग, दो आईफोन और एक डिलीट किया हुआ आईपैड बरामद हुआ। बताया गया कि उसी साल अगस्त, सितंबर और अक्टूबर में उन्होंने अमेरिका की तीन और यात्राएं की थीं, हालांकि उन यात्राओं में ड्रग्स लाने की पुष्टि नहीं हो सकी।

दौरा : भारत की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना यात्रा का मुख्य लक्ष्य, विदेश मंत्रियों से मुलाकात की

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सऊदी अरब पहुंचे अजीत डोभाल

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल सऊदी अरब के दौरे पर हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास हालात बिगड़ने से वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रविवार को रियाद पहुंचने पर उनका स्वागत सऊदी अरब के राजनीतिक मामलों के उप मंत्री सऊद अल-साती ने किया। इसके बाद डोभाल ने ऊर्जा मंत्री अब्दुलअजीज बिन सलमान, विदेश मंत्री फैसल बिन फरहान और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुसैद अल-ऐबान से मुलाकात की। भारतीय दूतावास के अनुसार, इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय स्थिति और आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस बीच, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव भी बढ़ गया है। हाल ही में अमेरिका ने एक ईरानी जहाज को जब्त किया, जिससे हालात और तनावपूर्ण हो गए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के अनुसार, जहाज ने चेतावनी के बावजूद रुकने से इनकार किया था, जिसके बाद कार्रवाई की गई। इस घटनाक्रम के बाद वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट में भी उछाल देखा गया।

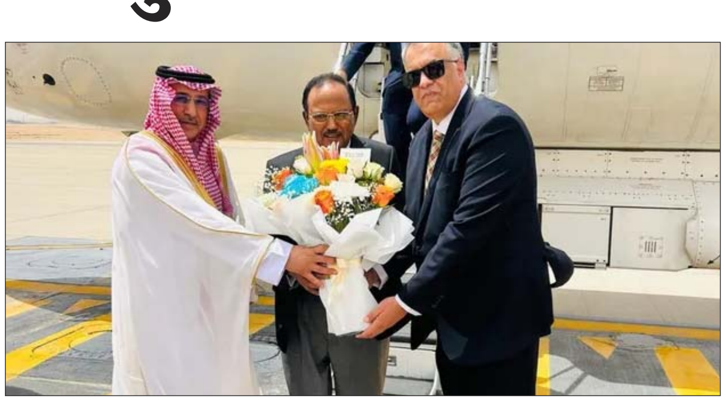

इन सबके बीच अमेरिका और ईरान के बीच फिर से बातचीत की संभावना भी जताई जा रही है। इससे पहले दोनों देशों के बीच पाकिस्तान में पहली दौर की वार्ता हो चुकी है। अब दूसरे दौर की बातचीत जल्द होने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में तनाव कम करने की कोशिश की जा रही है।

ऊर्जा सुरक्षा पर खास जोर

डोभाल की यह यात्रा भारत की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अहम मानी जा रही है। पश्चिम एशिया में हालात बदलने के असर को समझने और भविष्य की रणनीति पर चर्चा इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य रहा।

भारत अपनी तेल जरूरतों का करीब 40 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। ऐसे में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में किसी भी तरह की रुकावट से ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और आपूर्ति में दिक्कत हो सकती है। इसी कारण भारत प्रमुख तेल उत्पादक देशों के साथ लगातार संपर्क में है और हालात पर नजर बनाए हुए है।

दूसरे राउंड की बातचीत के लिए तैयार नहीं है ईरान

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित दूसरे दौर की बातचीत पर अनिश्चितता बढ़ गई है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह फिलहाल इस वार्ता में शामिल होने की योजना नहीं बना रहा है। यह जानकारी ईरान की सरकारी मीडिया ने दी है।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने कहा कि इस्लामाबाद में दूसरे दौर की बातचीत को लेकर जो खबरें चल रही हैं, वे सही नहीं हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने वार्ताकारों को पाकिस्तान भेजने का आदेश दिया है, जबकि मिडिल ईस्ट में युद्धविराम 22 अप्रैल को खत्म होने वाला है।

ईरान ने अमेरिका पर अत्यधिक मांगें रखने का आरोप लगाया है। उसके मुताबिक, अमेरिका की अव्यावहारिक शर्तें, बार-बार रुख बदलना और विरोधाभासी बयानबाजी बातचीत में बाधा बन रही हैं। ईरान ने यह भी कहा कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी युद्धविराम के समझौते का उल्लंघन है और इससे हालात और खराब हो रहे हैं। तेहरान का कहना है कि इन परिस्थितियों में सकारात्मक बातचीत की संभावना बहुत कम है।

ईरान ने अमेरिका पर 'ब्लेम गेम' खेलने का भी आरोप लगाया है। उसने कहा कि अमेरिका जानबूझकर यह खबर फैला रहा है कि ईरान बातचीत में शामिल होगा, ताकि उस पर दबाव बनाया जा सके। इस बीच, अमेरिकी नाकेबंदी और एक ईरानी जहाज पर कार्रवाई ने तनाव और बढ़ा दिया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि वह इसका जवाब देगा।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96